राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 290 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, बुधवार 27 अगस्त 2025 www.samaydarshan.in

पहला कॉलम

सुप्रीम कोर्ट ने अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर के खिलाफ देशद्रोह की कार्यवाही रोकी

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद के खिलाफ देशद्रोह मामले की कार्यवाही को रोक दिया है। इससे पहले कोर्ट ने उन्हें सोशल मीडिया पर ऑनलाइन पोस्ट करने की इजाजत दे दी और मामले में जांच कर रही विशेष जांच दल को फटकार लगाई थी। प्रोफेसर खान पर ऑपरेशन सिंदूर के समय भारतीय सेना के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी करने का आरोप था। प्रोफेसर खान ने ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग के लिए कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका को भेजे जाने को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा था कि अगर महिलाओं के प्रति यह बदलाव जमीनी स्तर पर नजर नहीं आता तो यह भारतीय सेना का पाखंड कहलाएगा। खान के बयान को महिला आयोग ने सैन्य कार्रवाइयों को बदनाम करने का प्रयास बताते हुए नोटिस भेजा। भाजपा की शिकायत पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया।

एल्विश यादव के घर पर गोलीबारी करने वाले 2 शूटर गिरफ्तार, भाऊ गैंग से है संबंध

नईदिल्ली। जाने-माने यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव के गुरुग्राम वाले घर पर 17 अगस्त की सुबह कुछ अज्ञात हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस हमले की जिम्मेदारी गैंगस्टर हिमांशु भाऊ गैंग ने ली है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। बीते दिनों फरीदाबाद पुलिस ने एल्विश के घर पर फायरिंग करने वाले शूटर इशांत उर्फ इशू गांधी को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था। अब इस मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दिल्ली पुलिस ने एल्विश के घर पर गोलीबारी करने 2 और शूटर को गिरफ्तार कर लिया है, जिनकी पहचान गौरव और आदित्य के रूप में हुई है। शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि दोनों आरोपी का संबंध हिमांशु भाऊ गैंग से है, जिसे भाऊ गैंग के नाम से जाना जाता है। गौरव और आदित्य को शाहाबाद डेयरी इलाके से एक कार्रवाई के बाद गिरफ्तार किया गया।

अपार्टमेंट की लिफ्ट बनी 5 साल के बच्चे के लिए मौत का फंदा

नवसारी। गुजरात के नवसारी जिले से एक बेहद दर्दनाक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक अपार्टमेंट की लिफ्ट में फंसने से पांच साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद लिफ्ट को कटर से काटकर बच्चे को बाहर निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। यह दिल दहला देने वाली घटना जिले के विजलपुर इलाके के नीरव स्क्वायर अपार्टमेंट की है। जानकारी के मुताबिक, मां बच्चे के साथ बाहर जाने के लिए निकली थी। जैसे ही मां घर के दरवाजे पर ताला लगाने लगी, बच्चा खेलते-खेलते लिफ्ट में घुस गया। इससे पहले कि मां कुछ समझ पाती, लिफ्ट का दरवाजा बंद हो गया।

माता वैष्णो देवी मार्ग पर बड़ा हादसा

अर्धकुवारी में लैंडस्लाइड में आठ लोगों की मौत...कई यात्री घायल

जम्मू-कश्मीर/ संवाददाता

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर स्थित अर्धकुवारी में लैंडस्लाइड की घटना हुई है। एक अधिकारी ने बताया है कि ये क्षेत्र भूस्खलन से प्रभावित है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने अपने आधिकारिक ङ्क हैंडल पर जानकारी दी है कि ये लैंडस्लाइड इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास हुआ है और कई लोगों के घायल होने की संभावना है। जानकारी के मुताबिक, इस हादसे के बाद वैष्णो देवी यात्रा को रोक दिया गया है। सामने आई जानकारी के मुताबिक, वैष्णो देवी मंदिर के रास्ते में भूस्खलन में 8 लोगों की मौत हो गई और करीब दर्जन भर लोग घायल हैं। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने अपने ट्वीट में बताया- अर्धकुवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भूस्खलन की घटना हुई है, कुछ लोगों के घायल होने की आशंका है। आवश्यक जनशक्ति और मशीनरी के साथ बचाव कार्य जारी है। जय माता दी। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, माता वैष्णो देवी मार्ग पर अर्धकुवारी में

भोजनायल के पास जब लैंडस्लाइड हुआ उस दौरान घटनास्थल पर कई यात्री थे। पहले कई यात्रियों को गंभीर चोटें आने की बात सामने आई थी। हालांकि, आधिकारिक जानकारी सामने आई है कि वैष्णो देवी मंदिर के रास्ते में भूस्खलन में 8 लोगों की मौत हो गई और बड़ी संख्या में लोग घायल हैं। भारी बारिश के कारण जम्मू के विभिन्न हिस्सों में स्थिति काफी गंभीर है। जम्मू संभाग में लगभग सभी नदियां और नाले खतरे के निशान से ऊपर या उसके करीब बह रहे हैं, जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। डोडा में बादल फटने के बाद, कई जगहों पर पहाड़ खिसक गए हैं। 3 से 4 लोगों की मौत की खबर भी सामने आई है। सीएम उमर अब्दुल्ला ने प्रशासन को हाई अलर्ट बनाए रखने का निर्देश दिया है। जम्मू में अत्यधिक वर्षा के कारण यात्री सुरक्षा के दृष्टिगत 10 से अधिक यात्री सेवाएं निरस्त की गयी हैं। महाप्रबंधक उत्तर रेलवे तथा मंडल रेल प्रबंधक जम्मू अपनी तकनीकी टीम के साथ पठानकोट में उपस्थित हैं और स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं।

यात्रा पर अगले आदेश तक रोक

अधिकारियों ने बताया कि हिमकोटि मार्ग पर यात्रा सुबह से ही रोक दी गई थी। लेकिन पुराने मार्ग पर यात्रा दोपहर 1.30 बजे तक जारी थी। हालांकि, भारी बारिश को देखते हुए अधिकारियों ने अगले आदेश तक इस रास्ते से भी यात्रा रोकने का फैसला किया। जम्मू में पिछले तीन दिनों से लगातार भारी बारिश हो रही है। इससे भारी नुकसान होने की आशंका है। बारिश के कारण पहाड़ों से मिट्टी और पत्थर खिसकने का खतरा बढ़ गया है। इसी वजह से वैष्णो देवी मंदिर के रास्ते में भूस्खलन हुआ। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। उनका इलाज चल रहा है।

हादसे की आंखों देखी

पंजाब के मोहाली की किरण भी उन लोगों में शामिल थीं जो पत्थरों, पेड़ों और चट्टानों की बारिश के बीच घिर गई थीं। किरण ने कटरा के एक अस्पताल में संवाददाताओं से कहा कि मैं दर्शन करने के बाद पहाड़ी से नीचे आ रही थी। तभी लोगों ने चिल्लाना शुरू कर दिया। मैंने पत्थर गिरते देखे। मैं सुरक्षित स्थान की ओर दौड़ी, लेकिन घायल हो गई। हादसे से बाल-बाल बची और घटना से बदहवास एक अन्य लड़की ने बताया कि हम पांच लोगों का समूह थे जिनमें से तीन घायल हैं।

खराब जांच का उत्कृष्ट उदाहरण

न्यायालय ने दुष्कर्म और हत्या के मामले में 2 लोगों को किया बरी

नयी दिल्ली/ एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में मौत के सजायाफ्ता एक दोषी सहित दो लोगों को बरी कर दिया और इसे ढुलमुल और घटिया जांच का उत्कृष्ट उदाहरण बताया. उच्चतम न्यायालय ने कहा कि दोनों आरोपियों से न तो रक्त के नमूने एकत्र करने संबंधी कोई दस्तावेज प्रस्तुत किया गया और न ही साक्ष्य के रूप में प्रदर्शित किया गया, जिससे डीएनए रिपोर्ट रद्दी का टुकड़ा बन कर रह गई. न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष दोनों अपीलकर्ताओं के अपराध को साबित करने में बहुत बुरी तरह विफल रहा है, क्योंकि उसके पास ऐसे ठोस सबूत नहीं थे जिन्हें मामले को सभी संदेहों से परे साबित करने वाला कहा जा सकता है. फैसले में कहा गया, हमारा मानना है कि वर्तमान मामला ढुलमुल और घटिया जांच का एक और उत्कृष्ट उदाहरण है, साथ ही सुस्त सुनवाई प्रक्रिया भी है, जिसके कारण एक मासूम बच्ची के साथ क्रूर बलात्कार और हत्या से जुड़े मामले की जांच नाकाम रही. शीर्ष अदालत का फैसला इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अक्टूबर 2018 के फैसले के खिलाफ अपील पर आया .उच्च न्यायालय ने आरोपी पुतई को निचली अदालत द्वारा दी गई मौत की सजा की पुष्टि की थी तथा उसकी दोषसिद्धि के खिलाफ दायर अपील को खारिज कर दिया था. अधीनस्थ अदालत ने इस मामले में आरोपी दिलीप को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी. अपीलों पर विचार करते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वह इस बात से अवगत है । कि यह 12 वर्ष की लड़की के साथ दुष्कर्म और उसकी नृशंस हत्या का जघन्य मामला है.

सुदर्शन चक्र का संभावित खाका पेश किया

दुश्मन पर ढाल और तलवार की तरह काम करेगा सुदर्शन चक्र

महू। भविष्य की सैन्य चुनौतियों से निपटने के लिए सभी सशस्त्र बलों के तालमेल और तकनीकों के एकीकरण पर बल देते हुए प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को भारत की प्रस्तावित वायु रक्षा प्रणाली 'सुदर्शन चक्र' का संभावित खाका पेश किया.जनरल चौहान ने कहा कि 'सुदर्शन चक्र' से सेंसरों, मिसाइलों, निगरानी उपकरणों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उपकरणों को बड़े पैमाने पर जोड़ा जाएगा और यह प्रणाली 'ढाल और तलवार', दोनों की तरह काम करेगी. सीडीएस ने सैन्य छावनी महू के 'आर्मी वॉर कॉलेज' में तीनों सेनाओं की संयुक्त रक्षा संगोष्ठी रण संवाद 2025 ? में अपने संबोधन के दौरान यह बात कही. उन्होंने इशारा किया कि भारत की 'सुदर्शन चक्र' प्रणाली इजराइल के उस सर्वकालिक वायु रक्षा तंत्र 'आयरन डोम' की तर्ज पर होगी जिसे बेहद प्रभावशाली सैन्य कवच माना जाता है.प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर अपने भाषण में 'सुदर्शन चक्र' की 10 वर्षीय महत्वाकांक्षी परियोजना की घोषणा की थी. इसके बाद सेना की ओर से पहली बार इस परियोजना के बारे में टिप्पणी की गई

सीडीएस चौहान ने कहा भविष्य के युद्धों में भारत की विजय सुनिश्चित होगी

सीडीएस चौहान ने संगोष्ठी में यह आान भी किया कि भविष्य के युद्धों में भारत की विजय सुनिश्चित करने के लिए सभी सशस्त्र बलों को पूरे आपसी तालमेल के साथ 'त्वरित और निर्णायक प्रतिक्रिया' देनी होगी. 'रण संवाद 2025' में तीनों सेनाओं के अधिकारी रक्षा क्षेत्र की मौजूदा व भावी चुनौतियों और इनसे निपटने के उपायों पर विचार मंथन कर रहे हैं. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस संगोष्ठी के दूसरे और अंतिम दिन बुधवार को पूर्ण सत्र को संबोधित करेंगे. इस दौरान कुछ संयुक्त सिद्धांत, तकनीकी दृष्टिकोण और सैन्य क्षमताओं से जुड़ी रूप-रेखा भी जारी की जाएगी.

है. इस परियोजना को वर्ष 2035 तक अमली जामा पहनाए जाने की योजना है.

यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद केरल में कांग्रेस विधायक ममकूटाथिल पार्टी से निलंबित

नईदिल्ली। केरल में युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और पलक्कड़ से विधायक राहुल ममकूटाथिल को यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। पार्टी ने राहुल को लेकर बढ़ते दबाव के बीच यह फैसला लिया है। इससे पहले राहुल ने खुद से युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था। राहुल को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित किया गया है। मलयाली अभिनेत्री रिनी एन जॉर्ज और लेखिका हनी भास्करन ने राहुल पर गंभीर आरोप लगाया था।

माता मंदिर दर्शन करने गए थे

बिलासपुर जिले में नाले में डूबने से तीन बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में नाले में डूबने से तीन बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई. पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के बेलगहना पुलिस चौकी के अंतर्गत भनवारटंक स्थित मरहीमाता मंदिर दर्शन करने गए तीन बच्चों समेत चार लोगों की नाले में बहने से मौत हो गयी. सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं.उन्होंने बताया कि मृतकों में दो बलौदाबाजार-भाटापारा जिले तथा दो बिलासपुर जिले के हैं. तीनों बच्चों के शव कल सोमवार रात को बरामद कर लिए गए तथा चौथे व्यक्ति का शव मंगलवार की सुबह बरामद किया गया. अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए कोटा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भेज दिया है.बेलगहना पुलिस चौकी के प्रभारी राज सिंह ने बताया कि बलौदाबाजार- भाटापारा जिले के बिटकुली गांव निवासी ध्रुव परिवार सोमवार को एक बस में सवार होकर

भनवारटंक के मरहीमाता मंदिर में दर्शन करने आया था. बस में ध्रुव परिवार के बिलासपुर निवासी सदस्यों सहित लगभग 40 लोग सवार थे. सिंह ने बताया कि सोमवार को वह देवी दर्शन के बाद शाम को लगभग चार बजे मुख्य मार्ग में खड़ी बस की तरफ पैदल लौट रहे थे तब अचानक तेज बारिश शुरू हो गई.उन्होंने बताया कि बारिश की वजह से आसपास की पहाड़ी का पानी तेजी से रास्ते में एक बरसाती नाले में आ गया. इसी समय तेज बहाव के बीच नाला पार करते समय चार लोग बलौदाबाजार-भाठापारा जिले के निवासी मितान ध्रुव (पांच) तथा गौरी ध्रुव (13) और बिलासपुर निवासी बलराम ध्रुव (45) तथा उनकी बेटी मुस्कान ध्रुव (13) नाले में बह गए.

नागौर में भारी बारिश के कारण सड़क का एक हिस्सा बह गया।

आरएसएस के कार्यक्रम में बोले मोहन भागवत

विश्व में भारत के योगदान का समय आ गया है.....

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में, संगठन के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि आरएसएस अपनी यात्रा के 100 वर्ष पूरे कर रहा है। आरएसएस का सार हमारी प्रार्थना की अंतिम पंक्ति में निहित है, जिसे हम प्रतिदिन दोहराते हैं, 'भारत माता की जय'। यह हमारा देश है और हमें इसकी प्रशंसा करनी चाहिए और इसे दुनिया में नंबर एक बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया करीब आ गई है, और

इसलिए हमें वैश्विक स्तर पर सोचना होगा। भागवत ने स्वामी विवेकानंद का जिक्र करते हुए कहा कि एक बार उन्होंने कहा था, प्रत्येक राष्ट्र का एक मिशन होता है जिसे पूरा करना होता है...

भारतीय नौसेना का हिस्सा बने आईएनएस उदयगिरि-हिमगिरि

रक्षामंत्री राजनाथ बोले-आत्मनिर्भर भारत का सपना हुआ साकार

विशाखापत्तनम/ एजेंसी

भारतीय नौसेना की ताकत लगातार बढ़ रही है। विशाखापत्तनम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को नौसेना में शामिल किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दोनों युद्धपोतों के नौसेना में शामिल होने से स्पष्ट है कि आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार हुआ है। भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ी है। भारतीय नौसेना न केवल तटीय क्षेत्रों की रक्षा करती है, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और समृद्धि भी बनाए रखती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि का जलावतरण हमारी दूरदर्शिता और प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। मैं इस अवसर पर भारतीय नौसेना को बधाई देता हूं। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) द्वारा निर्मित आईएनएस हिमगिरि और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा निर्मित आईएनएस उदयगिरि दोनों आधुनिक युद्धपोत हैं जिनका निर्माण स्वदेशी तौर पर किया गया है। उन्होंने कहा कि इन युद्धपोतों में कई उन्नत क्षमताएं हैं। इनमें लंबी दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइलें, स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर, टारपीडो लॉन्चर, युद्ध प्रबंधन प्रणाली और अग्नि नियंत्रण

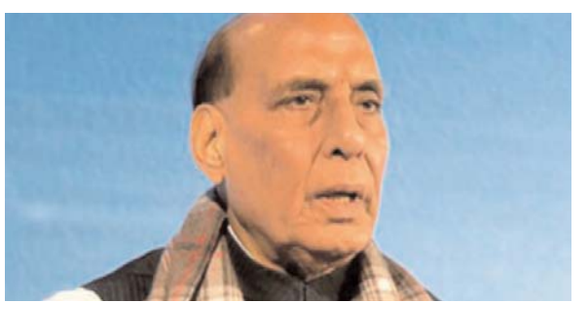

प्रणाली लगाई जा सकती हैं। ये दोनों युद्धपोत समुद्र में खतरनाक अभियानों में गेम-चेंजर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि आईएनएस तमाल भारतीय नौसेना के लिए अंतिम विदेशी ऑर्डर था। हमने निर्णय लिया है कि भारतीय नौसेना के लिए भविष्य में कोई भी जहाज विदेश में नहीं बनाया जाएगा। हम अपने जहाज भारत में ही बनाएंगे। यह रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बहुत ही निर्णायक कदम है। इन युद्धपोतों के जलावतरण के साथ भारतीय नौसेना ने एक शताब्दी पूरी कर ली है। आज स्वदेशी स्न35 युद्धपोत भी लॉन्च किया गया है। एक देश के पास उड़ने वाला स्न-35 है और आपने तैरता हुआ स्न35 बनाया है, वह भी भारत में निर्मित। राजनाथ सिंह ने कहा कि हिंद महासागर में चल रहा शक्ति-खेल हमें बार-बार सचेत करता है। यहां कई देशों के हित टकराते हैं। इसलिए हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हमारी समुद्री तैयारी मजबूत बनी रहे। रक्षा मंत्री ने कहा कि नौसेना की भूमिका केवल समुद्र की सुरक्षा तक ही सीमित नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व बीएसपी कर्मी एवं उनकी पत्नी ने प्रेरणादायी कदम उठाते हुए लिया देहदान का संकल्प

दुर्ग। कसारीडीह कन्हैयापूरी निवासी कृष्ण कुमार देवांगन,(पूर्व बीएसपी कर्मी) एवं उनकी पत्नी श्रीमती कस्तूरी देवांगन ने एक प्रेरणादायी कदम उठाते हुए देहदान का संकल्प लिया। इस पुनीत कार्य के लिए उन्होंने अपनी देहदान की वसीयत नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों कुलवंत भाटिया, राजेश पारख, रितेश जैन एवं सुरेश जैन को सौंपी। कृष्ण कुमार देवांगन के पुत्र अनुज देवांगन, जो देवांगन पूजा सामग्री के संचालक हैं, उनके भाई आशीष देवांगन, बहु श्रीमती मनीषा देवांगन एवं श्रीमती मालती देवांगन ने इस नेक निर्णय के लिए अपनी पूर्ण सहमति प्रदान की। नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों ने देवांगन दंपति के इस मानवता के प्रति समर्पण और देहदान के निर्णय की भूरी-भूरी प्रशंसा की तथा उन्हें शुभकामनाएं दीं। यह कदम समाज के लिए एक प्रेरणा है और दूसरों को भी इस दिशा में आगे आने के लिए प्रोत्साहित करता है।

कृष्ण कुमार देवांगन ने कहा बहुत लम्बे समय से उनके मन में देहदान करने की इच्छा थी और आज उनकी वर्षों पुरानी इच्छा पूर्ण हुई आज देहदान की घोषणा कर उन्हें संतुष्टि हो रही हैं कि अब उनके जाने के बाद उनकी व् उनकी पत्नी की आँखों से चार लोगों को नई रौशनी मिलेगी व भविष्य के डॉक्टरों को रिसर्च हेतु मृत देह- केडेवर मिले तो हम पति पत्नी का जीवन सार्थक होगा

सुरेश जैन ने कहा देवांगन दम्पति के देहदान का निर्णय समाज के लिए प्रेरणा बनेगा एवं लोग देहदान हेतु जागरूक होंगे,

नवदृष्टि फाउंडेशन के रितेश जैन ने कहा हमारी संस्था लगतार लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रही है जिसके सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं व लोगों की देहदान व नेत्रदान , त्वचादान हेतु सोच बदली है अब लोग स्वस्फूर्त ही देहदान व नेत्रदान हेतु सामने आ रहे हैं एवं यदि कोई देहदान या त्वचादान हेतु सहयोग या मार्गदर्शन चाहता है तो हमारी संस्था के सदस्यों से सहयोग ले सकता है या 9827906301/9827190500 इन नंबर पर फ़ोन कर मार्गदर्शन ले सकता है नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से अनिल बछेवार ,कुलवंत भाटिया,राज आढ़तिया, प्रवीण तिवारी,मुकेश आढ़तिया, मंगल अग्रवाल,हरमन दुलई,रितेश जैन,जितेंद्र हासवानी,किरण भंडारी,उज्जवल पींचा ,सत्येंद्र राजपूत,सुरेश जैन,राजेश पारख,पीयूष मालवीय,दीपक बंसल ,विकास जायसवाल,मुकेश राठी,प्रभु दयाल उजाला, प्रमोद बाघ ,सपन जैन ,यतीन्द्र चावड़ा ,जितेंद्र कारिया , बंसी अग्रवाल, अभिजीत पारख,मोहित अग्रवाल,चेतन जैन,दयाराम टांक,विनोद जैन,राकेश जैन ने देवांगन दम्पति के निर्णय की सराहना की व् देवांगन परिवार को साधुवाद दिया।

भारतीय जनता पार्टी जांजगीर चाम्पा के जिला उपाध्यक्ष बने पंकज

जांजगीर// ,समय दर्शन // प्रदेश भाजपा नेतृत्व के निर्देशानुसार प्रदेशाध्यक्ष किरण देव सिंह व संगठन महामंत्री पवन साय की सहमति से जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े ने अपनी नई टीम घोषित की जिसमे जिला उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल को बनाया है पंकज की पहचान शुरु से ही पार्टी मे निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप मे रही है उन्होंने अपनी राजनीतिक जीवन की शुरुआत अखिल विधार्थी परिषद से छात्रसंघ सचिव के रूप मे की थी वर्तमान मे वे पार्टी के जिला के मीडिया प्रभारी की है उनको जिला उपाध्यक्ष का दायित्व उनकी संगठन के प्रति निष्ठा को देखते हुए दिया गया है जिसके लिए उन्होने संगठन के प्रति अपना आभार व्यक्त किया है

ग्राम बरगा में दो दिवसीय अखण्ड रामधुनि सम्पन्न, तीजहारिनों में दिखा उल्लास

सम्पूर्ण रामायण की झांकी ने श्रद्धालुओं का मोहा मन

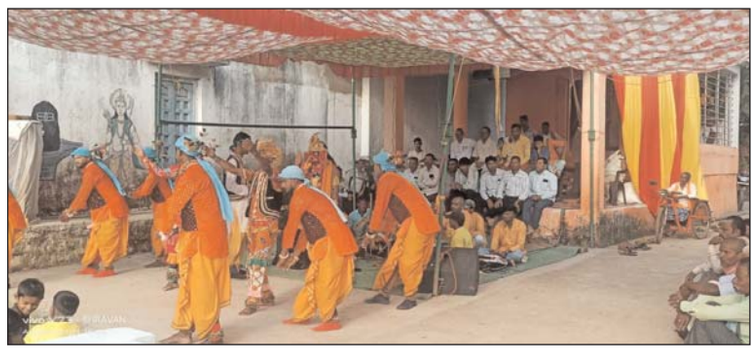

साजा (समय दर्शन)। थानखम्हरिया समीपस्थ ग्राम बरगा में धार्मिक आस्था और उल्लास के साथ दो दिवसीय अखण्ड रामधुनि का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। ग्रामवासियों ने इस आयोजन को विशेष पर्व के रूप में मनाया और पूरे गांव में आध्यात्मिक वातावरण का संचार हुआ।

रामधुनि के साथ-साथ अखण्ड रामायण पारायण भी किया गया। जिसमें पं. नीलधर प्रसाद तिवारी, खेमसिंह वर्मा, चंद्रिका साहू, नेतू साहू, देवसिंह साहू, लेखराम साहू, लखन साहू तथा ईश्वर गंधर्व ने विशेष भूमिका निभाई।

यह आयोजन प्रतिवर्ष परंपरागत रूप से संपन्न होता है, जिसमें मोहल्लावासी निर्धारित समय पर टीम बनाकर ढोल-मांदर सहित वाद्ययंत्रों पर संकीर्तन करते हुए राम नाम का गान करते हैं। इस बार भी तीजहारिन माताओं-बहनों ने उपवास रखते हुए पूरे उत्साह के साथ सहभागिता की और कार्यक्रम की सराहना की।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर जय मां शितला रामधुनि मंडली कोड़का ने मनमोहक प्रस्तुति दी। भगवान गणेश, मां दुर्गा, सम्पूर्ण रामायण और भक्त हनुमान की झांकी ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर समस्त ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और ग्राम की सुख-समृद्धि व मंगलकामना की। इस अवसर पर ग्रामीण कमलेश साहू उपसरपंच प्रतिनिधि, पंचगण सहित ग्रामीण राजकुमार साहू, ईश्वर गंधर्व, खेमसिंह वर्मा, लच्छीराम साहू, छबिलाल तिवारी, पीलुराम साहू, कन्हैयालाल पाल, नोहर सेन, भागवत साहू, बल्लूपाल, बिसाहू, मंगतु यादव, नेतराम साहू, मालूराम साहू, कियतराम साहू, गौतम साहू, मनीराम साहू, घनश्याम साहू, गंगदेव साहू, लक्ष्मण साहू, नारायण साहू, दुर्गेश, सीताराम साहू, रामरतन साहू, श्यामलाल साहू, अशोक गौटिया, गोविन्द साहू, अरूण कुमार, अजय साहू, सहित अन्य उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक सम्पन्न

कलेक्टर ने की शांति एवं सौहार्द्र के साथ त्यौहार मनाने की अपील

मुंगेली(समय दर्शन)आगामी त्यौहारों को शांति, सौहार्द्र और उल्लास के साथ मनाने हेतु कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर कुन्दन कुमार ने की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, अतिरिक्त कलेक्टर राजेन्द्र गुप्ता तथा अपर कलेक्टर जी.एल. यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

महिलाओं की सुरक्षा एवं शांतिपूर्ण वातावरण पर जोर- कलेक्टर ने कहा कि महिलाओं और बहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए जिले में शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि तीजा से लेकर देवउठनी तक अनेक पर्व और धार्मिक आयोजन होते हैं। इनका आनंद सभी लोग सौहार्द्र और भाईचारे के साथ लें, इसके लिए प्रशासन व्यापक रूपरेखा तय कर रहा है।पंडाल निर्माण और अनुमति प्रक्रिया कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि पंडाल निर्माण यातायात में बाधा न डाले और अस्पताल व स्कूल जैसे महत्वपूर्ण स्थान प्रभावित न हों। प्रत्येक आयोजन हेतु अनुमति लेना अनिवार्य होगा। पंडालों में सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा व्यवस्था, डस्टबिन और साफ-सफाई अनिवार्य रखी जाएगी।पुलिस अधीक्षक की चेतावनी पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने कहा कि मूर्ति स्थापना से लेकर विसर्जन तक पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहेगा।

विसर्जन जुलूस केवल प्रशासन द्वारा तय मार्ग से ही जाएंगे।

ध्वनि विस्तारक यंत्र के लिए अनुमति अनिवार्य होगी- रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक डीजे और आतिशबाजी पर रोक रहेगी।साउंड लिमिटर के बिना तेज आवाज वाले उपकरणों का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा।

अशोभनीय व आपत्तिजनक गानों की अनुमति नहीं होगी।

किसी भी जुलूस या आयोजन में अस्त्र-शस्त्रों का प्रदर्शन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जिम्मेदारी- बैठक में यह भी तय किया गया कि केवल मिट्टी की मूर्तियाँ स्थापित की जाएंगी, पीओपी की मूर्तियाँ प्रतिबंधित रहेंगी आयोजन स्थल पर नशा व मादक पदार्थों का सेवन वर्जित रहेगा।स्वयंसेवकों की नियुक्ति अनिवार्य होगी, जिनकी जानकारी पुलिस को देनी होगी।विसर्जन के 12 घंटे के भीतर पंडाल हटाना अनिवार्य रहेगा।

घाटों और आसपास की सफाई की जिम्मेदारी आयोजकों की होगी।सौहार्द्र और सहयोग का संकल्प बैठक के अंत में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समाज प्रमुखों ने आवश्यक सुझाव प्रस्तुत किए और प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। कलेक्टर ने कहा कि त्यौहार सभी वर्गों के सामूहिक उत्सव हैं और नियमों का पालन करते हुए ही जिले में शांति, सौहार्द्र और सुरक्षा का वातावरण बनाए रखा जा सकता है।

जनप्रतिनिधियों एवं समाज प्रमुखों की सहभागिता- बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा चतुर्वेदी, वरिष्ठ पार्षद रामविलास यादव, समाजसेवी अशोक अग्रवाल, रजनीश श्रीवास्तव, गिरीश गुप्ता, नजीर खान, हरिशंकर साहू।

झोलाछाप डॉक्टर पर मेहरबान तहसीलदार और बीएमओ

एक सप्ताह पहले सील हुई क्लिनिक फिर से आबाद, अधिकारियों की कार्यशैली पर उठ रहे गंभीर सवाल

बिर्रा। क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आयुष मेडिकल नामक क्लिनिक, जिसे महज़ एक हफ्ता पहले तहसीलदार और बीएमओ की टीम ने छापा मारकर सील किया था, अब दोबारा खुल गया है। बताया जा रहा है कि क्लिनिक संचालक झोलाछाप पटेल डॉक्टर को खुद बीएमओ ने आदेश देकर क्लिनिक खोलने की अनुमति दे दी।

छापेमारी के दौरान यह बात सामने आई थी कि मेडिकल की आड़ में झोलाछाप संचालक खुलेआम मरीजों का इलाज कर रहा था। इंजेक्शन लगाने से लेकर गंभीर बीमारियों का इलाज करने तक का काम वहां चल रहा था। ऐसे में क्लिनिक को सील कर दिया गया था।

लेकिन मात्र कुछ ही दिनों में वही मेडिकल पुन: चालू हो जाना और दोबारा से उक्त झोलाछाप डॉक्टर द्वारा इलाज करना क्षेत्र के लोगों के लिए चौंकाने वाला है। ग्रामीणों का आरोप है कि फिर तहसीलदार और बीएमओ मोटी रकम लेकर झोलाछाप पटेल डॉक्टर को संरक्षण दे रहे हैं। गरीब और भोले-भाले लोग अपनी जान खतरे में डालकर इलाज कराने मजबूर हैं। इस घटना के बाद बिर्रा क्षेत्र में तहसीलदार और बीएमओ दोनों की किरकिरी हो रही है। लोग खुले तौर पर यह कह रहे हैं कि अधिकारी स्वास्थ्य सेवाओं की परवाह किए बिना पैसों के आगे बिक गए हैं।

मेडिकल स्टोर वैध था इस लिए सिर्फ उसे ही खोलने का आदेश किया गया है।क्लिनिक संचालन किया जा रहा होगा तो कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

अजम्भर सिसोदिया
बीएमओ बम्हनीडीह

जिला चिकित्सा अधिकारी को बोलता हु, कार्यवाही होगी।

जनमेजय महोबे
कलेक्टर

पहली बार कार्यवाही हुआ है तो दूसरी बार भी होगा

मनोज बर्मन
जिला चिकित्सा अधिकारी

काइनेटिक ग्रीन ने भारत के शहरों और गांवों में ईवी अपनाने में तेजी लाने के लिए आईआईएफएल समस्त फाइनेंस के साथ साझेदारी की

पुणे: काइनेटिक ग्रीन एनर्जी एंड पावर सॉल्यूशंस लिमिटेड, भारत में इलेक्ट्रिक टू व्हीलर और थ्री व्हीलर बनाने वाली एक प्रमुख कंपनी, ने आज देश की प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) और माइक्रोफाइनेंस संस्थान, आईआईएफएल समस्त फाइनेंस के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का लक्ष्य शहरों, छोटे शहरों और गाँवों में ग्राहकों के लिए आसान और किफायती फाइनेंसिंग विकल्प देकर इलेक्ट्रिक वाहनों को और सुलभ बनाना है।

यह कार्यक्रम त्योहारी सीजन के दौरान सितंबर 2025 से शुरू होगा, ताकि नए वाहनों की बढ़ती मांग का लाभ उठाया जा सके। इस समझौते के तहत, आईएसएफएल काइनेटिक ग्रीन के सभी इलेक्ट्रिक टूव्हीलर एवं थ्रीव्हीलर वाहनों के लिए मान्यता प्राप्त वित्तीय संस्थान के रूप में कार्य करेगा और 13 राज्यों - बिहार, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल- में अपने 370 शाखाओं के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से रिटेल वित्तीय समाधान प्रदान करेगा। इससे शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी पहुंच बढ़ेगी।

इस साझेदारी में आईएसएफएल के 2,00,000 से अधिक प्रि-क्वालिफाइड ग्राहकों को काइनेटिक ग्रीन के उत्पादों के लिए लक्षित पहुंच शामिल है। इसे संयुक्त मार्केटिंग पहलों और को-ब्रांडेड प्रचार अभियानों का समर्थन मिलेगा ताकि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में दृश्यता और वित्तीय सुलभता को बढ़ाया जा सके। काइनेटिक ग्रीन इस साझेदारी को अपने 600 से अधिक डीलरों के मजबूत राष्ट्रव्यापी नेटवर्क और 1,50,000 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के सफल रिकॉर्ड के साथ और मजबूत कर रही है। कंपनी के प्रमुख उत्पादों में अत्यंत सफल और लोकप्रिय E-Luna e2W शामिल है, जो एक बहुपयोगी मल्टी-यूटिलिटी वाहन है और B2C व B2B दोनों ग्राहकों के लिए उपयुक्त है। इसके अलावा, उच्च-प्रदर्शन वाला E-Zulu e2W स्कूटर, जो उन्नत सुविधाओं और सुगमता प्रदान करता है, और सफर सीरीज के मजबूत e3W कार्गो और पैसेंजर वाहन, जो परिचालन में उत्कृष्टता प्रदान करते हैं। यह साझेदारी लोगों को आसानी से स्थायी परिवहन की ओर बढ़ने में सक्षम बनाएगी। इलेक्ट्रिक वाहनों को अधिक सुलभ और सुविधा-युक्त बनाकर, हम भारत में अधिक लोगों को पर्यावरण के अनुकूल परिवहन समाधान अपनाने और लास्ट माइल कनेक्टिविटी को कार्बन-मुक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं। इस सहयोग के बारे में, काइनेटिक ग्रीन की संस्थापक और सीईओ, डॉ. सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी ने कहा, ''हम आईआईएफएल समस्त फाइनेंस, जो सस्ते और आसान वित्तीय समाधान देने में विशेषज्ञ है, के साथ साझेदारी करके भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए उत्साहित हैं। काइनेटिक ग्रीन के बेहतरीन इलेक्ट्रिक वाहनों को आईएसएफएल के मजबूत वित्तीय सहयोग के साथ जोड़कर, हम खासकर छोटे शहरों और गाँवों में लोगों और व्यवसायों के लिए स्थायी परिवहन को आसान बना रहे हैं।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा वीरांगना और पद्मावत महिला कल्याण समिति ने धूमधाम से मनाया तीज महोत्सव

राजनांदगांव। शहर के सांस्कृतिक क्षितिज पर एक नया रंग चढ़ा, जब अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा वीरांगना और पद्मावत महिला कल्याण समिति, राजनांदगांव ने मिलकर हरितालिका तीज महोत्सव का भव्य आयोजन किया। यह तीज मिलन समारोह उत्साह, उमंग और सांस्कृतिक वैभव का अनुपम संगम बन गया। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं, मधुर संगीत की स्वर लहरियों और नृत्य की थिरकन ने समारोह को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व महापौर हेमा देशमुख, समाजसेवी श्रीमती करुणा यादव और डॉ. मधु भदौरिया (पूर्व अध्यक्ष) की गरिमामय उपस्थिति ने इस उत्सव को और भी खास बना दिया।

तीज पर्व पर आयोजित समारोह की शुरुआत डोंगरगढ़ की प्रतिभाशाली आराध्या सिंह द्वारा प्रस्तुत मधुर गणेश वंदना से हुई, जिसने माहौल को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना दिया। इसके बाद मंच पर एक के बाद एक शानदार प्रस्तुतियां शुरू हुईं। परिधि, प्रियांशी, आराध्या, अलका और लालसा सिंह ने अपने मनमोहक नृत्य और भजनों से दर्शकों का दिल जीत लिया। राजपूत समाज की महिलाओं ने गीत-संगीत और नृत्य के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिखाया।

महोत्सव का एक प्रमुख आकर्षण रहा तीज सुंदरी प्रतियोगिता, जिसमें पारंपरिक वेशभूषा और श्रृंगार में सजी महिलाओं ने अपनी खूबसूरती और आत्मविश्वास का जलवा बिखेरा। इस प्रतियोगिता में स्वाति चौहान, वंदना ठाकुर और चांदनी सिंह ने शीर्ष स्थान हासिल किए और उन्हें भव्य सम्मान से नवाजा गया। दर्शकों की तालियों ने विजेताओं का उत्साह दोगुना कर दिया।

कार्यक्रम में मनोरंजन का तड़का लगाने के लिए कुर्सी दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें अतिथियों और प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हंसी-ठहाकों और उत्साह के बीच यह खेल सभी के लिए आनंद का केंद्र बना। गीत-संगीत की महफिल और खेलों ने माहौल को और भी जीवंत कर दिया।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय क्षत्रिय महिला महासभा वीरांगना की नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष सुषमा सिंह का भव्य स्वागत और सम्मान किया गया। अतिथियों और वीरांगना टीम ने उन्हें बधाई दी और उनके नेतृत्व में संगठन की नई ऊंचाइयों की कामना की। इसके साथ ही, संगठन की रीढ़ माने जाने वाले वरिष्ठ सदस्यों को भी मंच से सम्मानित किया गया, जिनके मार्गदर्शन और आशीर्वाद से यह संगठन लगातार प्रगति की राह पर अग्रसर है।

डॉ. मधु भदौरिया ने अपनी हमेशा की तरह दिलकश प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति ने न केवल सांस्कृतिक मंच को समृद्ध किया, बल्कि उपस्थित सभी महिलाओं में आत्मविश्वास और प्रेरणा का संचार किया। डॉक्टर भदौरिया पेशे से डॉक्टर हैं, लेकिन राजपूत समाज के विभिन्न आयोजनों के लिए वह विशेष रूप से समाज की गतिविधियों में हिस्सा लेती आ रही है।

आयोजन में डोंगरगढ़ से शीला सिंह, सुलभा सिंह, आराध्या सिंह, रॉयल राजपूत से नीलम सिंह, दीपमाला सिंह, सुनीता सिंह, केंद्रीय उपसमिति 1282 से छाया ठाकुर, माधुरी ठाकुर और अन्य अतिथियों जैसे साधना तिवारी, रचना, मोना गोसाई और मीना यादव, अध्यक्ष सुषमा सिंह, अर्चना सिंह परिहार, कनकलता सिंह, अनामिका गौतम, सुधा पवार, रेखा सिंह, रीना सिंह, रवि चौहान, शशि भदौरिया, संजू सिंह, नीमा राजावत, स्वाति चौहान, प्रभा राजपूत, ममता राठौर, डिम्पल भदौरिया, रश्मि भारद्वाज, निशा सेंगर, चांदनी सिंह, लालसा सिंह, अलका सिंह, नेहा सिंह, पुष्पलता सिंह, लीलावती सिंह, सपना, किरण सिंह, डॉ. सूर्या सिंह, सोम्या राठौर, वंदना सिंह, प्रिया सिंह, प्रियंका सिंह और उनकी पूरी बटालियन टीम का अहम योगदान रहा।

छत्तीसगढ़ का निवेश-अनुकूल इकोसिस्टम : जापानी कंपनियों ने दिखाई गहरी रुचि

ओसाका इन्वेस्टर कनेक्ट: छत्तीसगढ़ ने जीता निवेशकों का भरोसा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान ओसाका में आयोजित प्रतिष्ठित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों, प्रतिभाशाली मानवबल और उद्योग-अनुकूल नीतियों का सशक्त संगम है। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत और जापान विश्वास एवं साझा मूल्यों की गहरी डोर से जुड़े हैं। मुख्यमंत्री ने जापानी साझेदारों से आह्वान किया कि वे नवाचार, अवसर और साझा समृद्धि से आगे बढ़ रही छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में भागीदार बनें। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सरताज फूड्स, ओसाका को छत्तीसगढ़ में फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के लिए 11.45 मिलियन डॉलर (?100 करोड़) का निवेश प्रस्ताव दिया। यह परियोजना राज्य के फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र को नई ऊँचाई देगी, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करेगी और किसानों को नए अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने

कहा कि इस पहल से छत्तीसगढ़ की कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। बिजनेस-टू-गवर्नमेंट (BwG) बैठकों के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री साय ने मोराबु हंशिन कंपनी के प्रेसिडेंट एवं रिप्रेजेंटेटिव डायरेक्टर श्री नाओयुकी शिमाडा से भी भेंट की। यह कंपनी कुशल इंजीनियरों, सिस्टम डेवलपमेंट और वर्कफोर्स सॉल्यूशंस के क्षेत्र में अग्रणी है। बैठक में कौशल प्रशिक्षण और वर्कफोर्स एक्सचेंज के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए वैश्विक अवसरों का मार्ग प्रशस्त होगा और राज्य का कौशल तंत्र और अधिक सशक्त बनेगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने राज्य की प्रतिस्पर्धात्मक विशेषताओं को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि प्रचुर खनिज संपदा, सक्रिय सिंगल-विंडो क्लियरेंस सिस्टम, विश्वस्तरीय औद्योगिक ढाँचा और वैश्विक निवेशकों को सहज वातावरण उपलब्ध कराना छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत है। राज्य में किए जा रहे सुधारों और निवेशकों के लिए प्रोत्साहन योजनाओं की जापानी प्रतिनिधियों ने सराहना की। विशेषकर फूड प्रोसेसिंग, प्रौद्योगिकी और उन्नत वर्कफोर्स सॉल्यूशंस के क्षेत्र में निवेश की इच्छुक कंपनियों ने छत्तीसगढ़ को उपयुक्त अवसरों का प्रदेश बताया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा, छत्तीसगढ़ निवेश-अनुकूल इकोसिस्टम प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहाँ वैश्विक साझेदारों को अवसर और सहयोग दोनों मिलते हैं। जापान के साथ हमारी साझेदारी विश्वास और साझा मूल्यों पर आधारित है। ओसाका में हुई चर्चाएँ न केवल निवेश लेकर आएँगी, बल्कि हमारे किसानों को सशक्त बनाएँगी, युवाओं के लिए रोजगार उत्पन्न करेंगी और विकसित छत्तीसगढ़ की नींव को और अधिक मजबूत करेंगी।

शिक्षा विभाग के अधिकारी शिक्षण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें : मंत्री श्री गजेन्द्र यादव

रायपुर।

स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि बच्चों को शिक्षित करना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे विद्यालयों में शिक्षण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें और शिक्षण को विभागीय कार्यप्रणाली का केंद्र बिंदु बनाएं। मंत्री श्री यादव आज मंत्रालय महानदी भवन में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही समाज और प्रदेश का भविष्य सुरक्षित होता है, इसलिए विद्यालयों में पढ़ाई की नियमित निगरानी करना शिक्षा विभाग के प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारी है।

विद्यालयों की स्थिति पर गहन जानकारी आवश्यक- श्री यादव ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि उन्हें अपने क्षेत्र की प्रत्येक शाला की स्थिति की सम्पूर्ण और अद्यतन जानकारी रखना सुनिश्चित करें। इसके लिए उन्हें स्कूलों का नियमित निरीक्षण कर प्राचार्यों, प्रधान पाठकों और शिक्षकों से संवाद करते रहें। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की सक्रियता और जिम्मेदारी से ही विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है।

शिक्षकीय प्रशिक्षण का वार्षिक कैलेंडर बनेगा- शिक्षा मंत्री श्री यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिक्षकीय प्रशिक्षण हेतु वार्षिक कैलेंडर तैयार करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रीष्मकालीन अवकाश अवधि में ही आयोजित किए जाएं, ताकि विद्यालयीन शिक्षण कार्य प्रभावित न हो। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को नई तकनीकों, नवाचारों एवं आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराना आवश्यक है।

विभागीय कार्यों में आपसी समन्वय पर जोर- श्री यादव ने स्पष्ट कहा कि शिक्षा विभाग से जुड़े सभी अधिकारी आपसी समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों को तभी प्रभावी बनाया जा सकता है, जब अधिकारी, शिक्षक और विद्यालय प्रबंधन मिलकर एक साझा दृष्टिकोण के साथ काम करें। बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने विभागीय संरचना, योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी पावर पाइट पेजेन्टेशन के माध्यम से दी। इस दौरान विभाग में संचालित प्रमुख योजनाओं और उनकी प्रगति पर भी चर्चा हुई।

नारायण लिंब फिटमेंट कैम्प में 382 दिव्यांगों ने पाया जीवन में नया सहारा

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी में रविवार को आयोजित नारायण लिंब एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर ने सैकड़ों दिव्यांगजन के जीवन में नई आशा की किरण जगाई। 382 दिव्यांगजन कृत्रिम अंग पाकर अपने पैरों पर खड़े हुए और जीवन की राह पर फिर से आगे बढ़े।

शिविर का आयोजन नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर की ओर से विशाल नगर स्थित शगुन फार्म में किया गया। इस अवसर पर राज्य के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि यह दृश्य ऐतिहासिक और हृदयस्पर्शी है। नर सेवा ही नारायण सेवा है। जब परिवार का कोई सदस्य असहाय हो जाता है, तो पूरा परिवार पीड़ा सहता है। लेकिन आज जिन दिव्यांगों को नया सहारा मिला है, उनके पूरे परिवारों को जीवन जीने का नया उत्साह प्राप्त हुआ है।

दिव्यांगों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

शिविर में आए दिव्यांगजन कृत्रिम अंग पाकर भावुक हो उठे। वर्षों से जिन पैरों ने चलना छोड़ दिया था, वे आज फिर से दौड़ने की उम्मीद के साथ खड़े हुए। लाभांवित दिव्यांगों की परेड ने कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित सभी लोगों की आंखें नम कर दीं।

अतिथियों ने सराहा सेवा कार्य

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा ने कहा कि यह सेवा सचमुच देवत्व का कार्य है धरती

पर देवता उतर आए हैं, जो किसी को नया हाथ, नया पैर देकर जीवन लौटा रहे हैं।

इस अवसर पर समाजसेवी ओपी निगम, संजय पारख, मीरा राव, डॉ. अशोक भट्टड, सीताराम अग्रवाल, पंकज शर्मा और अनंत श्रीवास्तव सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

संस्थान की ऐतिहासिक यात्रा

संस्थान के संरक्षक महेश अग्रवाल ने बताया कि अप्रैल में हुए चयन शिविर में 500 से अधिक दिव्यांगजन आए थे, जिनमें से 382 को अब कृत्रिम अंग लगाए गए। उन्होंने कहा कि यह केवल अंग नहीं बल्कि जीवन को आगे बढ़ाने की चाबी है।

45 सदस्यीय टीम ने जर्मन तकनीक से निर्मित नारायण लिंब लगाए और दिव्यांगजनों को उनके उपयोग एवं देखरेख का प्रशिक्षण भी दिया।

नारायण सेवा संस्थान की स्थापना 1985 में कैलाश मानव ने की थी, जिन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है। संस्थान अब तक 40 हजार से अधिक कृत्रिम अंग निःशुल्क लगा चुका है और लाखों दिव्यांगजनों को शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और खेल के क्षेत्र में मुख्यधारा से जोड़ चुका है। संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल को भी सामाजिक सेवा के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार मिल चुका है। यह शिविर केवल एक चिकित्सा सेवा नहीं, बल्कि एक ऐसा मानवता का उत्सव बना जिसमें सैकड़ों जीवनों को नई दिशा, नया आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की शक्ति मिली।

भाजपा की अहम संगठनात्मक बैठक 31 अगस्त को, नए पदाधिकारियों को मिलेगा राष्ट्रीय नेताओं से मार्गदर्शन

रायपुर। रायपुर स्थित कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में 31 अगस्त को भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश स्तरीय एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में संगठन के नए पदाधिकारियों को पार्टी की कार्यप्रणाली, संगठनात्मक दायित्व और आगामी रणनीतियों को लेकर विस्तार से मार्गदर्शन दिया जाएगा।

बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश और प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। इन दोनों वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ पार्टी के अन्य प्रदेश स्तरीय वरिष्ठ नेता भी नए पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देंगे।

बैठक में प्रदेशभर के 476 मंडलों और 36 संगठनात्मक जिलों के अध्यक्षों के साथ ही प्रदेश कार्यकारिणी के सभी सदस्य, मोर्चा अध्यक्ष और प्रकोष्ठ संयोजकों को आमंत्रित किया गया है। यह कार्यक्रम प्रदेश संगठन की नई कार्यकारिणी के गठन के बाद पहली बड़ी बैठक होगी।

संभावना है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय विदेश दौरे पर रवाना होने से पहले बैठक में हिस्सा ले सकते हैं। उनके साथ डिप्टी सीएम अरुण साव और विजय शर्मा तथा प्रदेश सरकार के कई मंत्री भी बैठक में शामिल रहेंगे। पार्टी के राष्ट्रीय संगठन के निर्देशों के अनुसार प्रदेश भाजपा ने पहले सदस्यता अभियान चलाकर 60 लाख नए सदस्य जोड़े, फिर बूथ स्तर से लेकर मंडल स्तर तक चुनाव कराए। पहले जहां 405 मंडल थे, अब 71 नए मंडलों के साथ यह संख्या 476 हो गई है। इसी तरह संगठनात्मक जिलों की संख्या भी बढ़ाकर 35 से 36 कर दी गई है, जिसमें नया जिला बिलासपुर ग्रामीण शामिल है। दिलचस्प बात यह है कि केवल रायपुर ग्रामीण ही ऐसा जिला है जहां पूर्व जिलाध्यक्ष को ही दोबारा पद सौंपा गया है। बैठक में नए पदाधिकारियों को राष्ट्रीय और क्षेत्रीय नेताओं जैसे कि क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, संगठन महामंत्री पवन साय, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और डिप्टी सीएम अरुण साव सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। पहले यह बैठक 29 अगस्त को प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसे 31 अगस्त को आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

बालिका की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण नैतिक और संवैधानिक कर्तव्य: मुख्य न्यायाधीश

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने कहा है कि बालिका की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण सुनिश्चित करना केवल विधिक जिम्मेदारी ही नहीं बल्कि नैतिक और संवैधानिक दायित्व भी है। उन्होंने कहा कि बालिका के लिए सुरक्षित वातावरण केवल उसे अपराध से बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सकारात्मक पहल से आरंभ होता है- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और समान अवसर की उपलब्धता अपरिहार्य है। सभी संस्थानों का उद्देश्य केवल अन्याय को रोकना नहीं, बल्कि सशक्तिकरण करना है। मुख्य न्यायधीश रमेश सिन्हा आज छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की विशेष सेल फॉर पॉक्सो समिति एवं किशोर न्याय समिति द्वारा, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के सहयोग से 'बालिका संरक्षण भारत में उसके लिए एक सुरक्षित एवं सक्षम वातावरण की ओर' विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उन्होंने

'यौन अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत विभिन्न हितधारकों की भूमिका' शीर्षक से एक लीफ्लेट का विमोचन भी किया। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने कहा कि बालिका संरक्षण के लिए बहु-क्षेत्रीय दृष्टिकोण आवश्यक है - स्वास्थ्य विशेषज्ञ उपचार हेतु, पुलिस सुरक्षा हेतु, समुदाय पोषण हेतु, विधिक संस्थान अधिकारों की रक्षा हेतु और सबसे बढ़कर, समाज को अपनी सोच बदलने हेतु कर्तव्यबद्ध है। यदि हम सामूहिक रूप से इस दृष्टिकोण को अपनाएँ, तो हम न केवल सुरक्षित बल्कि वास्तव में सक्षम वातावरण बना सकेंगे, जहाँ भारत की हर बालिका स्वतंत्रतापूर्वक सपने देख सके, निडर होकर आगे बढ़ सके और अपनी पूर्ण क्षमता प्राप्त कर सके। उन्होंने यह भी कहा कि शासन की प्रत्येक संस्था को बच्चों के अधिकारों का संरक्षक बनकर कार्य करना चाहिए। हमारा यह पावन दायित्व है कि प्रत्येक पीड़िता को न्याय मिले। नन्हीं बालिका भारत की आत्मा है। हमें उसका हाथ थामकर उसे गरिमा के साथ भविष्य की ओर ले जाना है। यह दृष्टि हमें दान या कृपा से नहीं, बल्कि न्याय और कर्तव्य की भावना से प्रेरित करती है।

कार्यक्रम में तकनीकी सत्रों में राज्य, राष्ट्रीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में बालिकाओं के विरुद्ध हिंसा तथा 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' जैसी प्रमुख योजनाओं की समीक्षा के साथ-साथ सुरक्षित विद्यालयीन वातावरण सृजित करने, गैर-सरकारी संगठनों का जनजागरूकता बढ़ाने में योगदान, परिवार और समुदाय के सहयोग, लैंगिक संवेदनशीलता तथा सुरक्षित घरेलू वातावरण का महत्व पर चर्चा की गई। साथ ही बाल संरक्षण सेवाओं के कार्यान्वयन में चुनौतियों की पहचान, बालिकाओं पर हिंसा के मनोवैज्ञानिक प्रभाव और स्वास्थ्य-जागरूकता, यूनिसेफ जैसी संस्थान के सहयोग से बाल-हितैषी वातावरण का निर्माण, किशोर न्याय बोर्ड और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका पर विचार-विमर्श हुआ।

कार्यक्रम को न्यायमूर्ति श्रीमती रजनी दुबे, संजय के. अग्रवाल ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति सर्वश्री नरेश कुमार चंद्रवंशी, पार्थ प्रतीम साहू, सचिन सिंह राजपूत, संजय कुमार जायसवाल, रविन्द्र कुमार अग्रवाल, अमितेन्द्र किशोर प्रसाद, विधि विभाग के प्रमुख सचिव, न्यायिक अकादमी के निदेशक, फास्ट ट्रैक, किशोर न्याय बोर्ड के न्यायाधीश, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष, यूनिसेफ के प्रतिनिधि सहित जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी, समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित विधिक सेवा प्राधिकरण से जुड़े अधिकारी उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन न्यायमूर्ति बिभु दत्त गुरु द्वारा किया गया।

संक्षिप्त समाचार

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से मिटेंगे अंधविश्वास : डॉ. दिनेश मिश्र

रायपुर। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा कि समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास अंधविश्वासों व

कुरीतियों को दूर करने का सबसे सशक्त साधन है। योग भवन रायपुर फुडहर में लोक सेवा आयोग की तैयारी कर रहे छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि व्यक्ति को बचपन से ही शिक्षा के साथ अंधविश्वासों से सचेत करना जरूरी है। असफलता का कारण ग्रह-नक्षत्रों में खोजने की बजाय स्वयं की कमियों का विश्लेषण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में विभिन्न धर्म और परंपराओं के चलते कई अंधविश्वास जन्म ले चुके हैं। इनसे न केवल ठगी होती है बल्कि समाज की प्रगति भी बाधित होती है। विशेषकर छत्तीसगढ़ में टोनही प्रथा के नाम पर महिलाओं की प्रताड़ना मानव अधिकारों का खुला उल्लंघन है। इस कुप्रथा के खिलाफप्रदेश में 30 वर्षों से कोई नारी टोनही नहीं अभियान चलाया जा रहा है। डॉ. मिश्र ने कहा कि बीमारियों का इलाज झाड़-फूँक या तंत्र-मंत्र से नहीं बल्कि आधुनिक चिकित्सा से संभव है। कोरोना काल इसका उदाहरण है, जिसमें चिकित्सा विज्ञान ने महामारी पर नियंत्रण पाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ताबीज, अंगूठी या चमत्कारिक उपायों से सफलता नहीं मिलती, बल्कि कठिन परिश्रम और सुनियोजित तैयारी ही सफलता का मार्ग है। उन्होंने चेतावनी दी कि चमत्कार दिखाने, सोना-गहने दुगुना करने जैसी ठगी से महिलाएँ अधिक शिकार होती हैं। छात्रों और ग्रामीणों को चाहिए कि वे अपने आसपास के लोगों को विज्ञानसम्मत जानकारी देकर जागरूक करें। व्याख्यान के बाद वैज्ञानिक प्रयोगों के माध्यम से चमत्कारों की सच्चाई भी समझाई गई। कार्यक्रम में संयोजक चंद्रेश सहित प्रदेशभर के छात्र उपस्थित रहे।

डेयरी उद्यमिता विकास योजना से सुखसागर की जिंदगी में आया बदलाव

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप पशुधन विकास विभाग द्वारा ग्रामीण अंचलों के पशुपालकों को योजनाओं का

लाभ दिया जा रहा है। इसी क्रम में जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड के किसान श्री सुखसागर यादव की आर्थिक स्थिति में बड़ा परिवर्तन आया है। उसे अब प्रतिमाह 30 हजार रूपए की आमदनी हो रही है। सुखसागर यादव को राज्य पोषित डेयरी उद्यमिता विकास योजना से 70 हजार रुपये का अनुदान मिला। इसके सहारे उन्होंने एक उन्नत नस्ल की जर्सी गाय और एक साहीवाल क्रॉस गाय खरीदी। पहले उनके पास सिर्फ एक देसी गाय थी, जो प्रतिदिन लगभग 1 लीटर दूध देती थी और उसका उपयोग केवल घरेलू जरूरतों तक सीमित था। उस समय पशुपालन से कोई अतिरिक्त आमदनी नहीं होती थी। लेकिन योजना का लाभ लेने के बाद अब उनके पास रोजाना 16 से 18 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। दूध बेचकर उन्हें हर महीने 25 से 30 हजार रुपये तक की आमदनी हो रही है। साथ ही राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम से नस्ल सुधार का भी लाभ उन्हें मिला है। इसके परिणामस्वरूप उन्नत नस्ल की बछिया और बछड़ा पैदा हुआ हैं। पशुधन विकास विभाग द्वारा सुखसागर की गायों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, कृमिनाशक दवाओं और मिनरल मिक्सचर की सुविधा के साथ बीमा सुविधा भी दी जा रही है। तकनीकी मार्गदर्शन भी समय-समय पर उपलब्ध कराया जाता है। इस योजना से सुखसागर की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और वे आज एक सफल डेयरी उद्यमी के रूप में माना जा रहा है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

रायपुर। अटारी ओव्हरब्रीज के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मामले में कबीरनगर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक अनिल कुमार निषाद 31 वर्ष ग्राम भाठा सोरही थाना बेरला जिला बेमेतरा का रहने वाला था। बताया जाता है कि वह अपनी बाइक से कहीं जा रहा था, तभी अटारी ओव्हरब्रीज के पास अज्ञात वाहन चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दिया। जिससे बाइक सवार अनिल कुमार की मौत हो गई। मामले में कबीरनगर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

मेकाहारा परिसर से बाइक पार

रायपुर। मेकाहारा परिसर स्थित आंबेडकर मुर्ति के पास खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर मौदहापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी उत्तम दीप 33 वर्ष बैरनबाजार कोतवाली का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 केएक्स 6245 को मेकाहारा परिसर स्थित आंबेडकर मुर्ति के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर मौदहापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

ड्रग्स के साथ तीन युवक गिरफ्तार

रायपुर। गंज थाना पुलिस ने ड्रग्स के साथ कार सवार तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार गंज थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर देवेन्द्र नगर ओव्हरब्रीज के नीचे कार सवार तीन युवकों को हिरासत में लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में हर्ष आहुजा 23 वर्ष, मोनू विश्नोई और दीप धनोरिया है। पुलिस ने इन लोगों के पास से नकदी 85300 रुपए और 27.58 ग्राम एमडीएम ड्रग्स बरामद किया है।

नशीली टेबलेट के साथ महिला गिरफ्तार

रायपुर। पुरानी बस्ती पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली टेबलेट के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपिया के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

संपादकीय

लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच खिचीं सियासी तलवारें

चुनाव नतीजों को सहज स्वीकार करना चुनावी लोकतंत्र के टिकाऊ होने की बुनियादी शर्त है। इसी से सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण संभव होता है। इन स्थितियों के अभाव में अनगिनत देशों को राजनीतिक अशांति और उथल-पुथल से गुजरना पड़ा है। मुद्दा चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता का है, लेकिन इस प्रश्न ने निर्वाचन आयोग और विपक्षी दलों के बीच सियासी जंग का रूप ले लिया है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे खिलाफ मोर्चा खोल रखा है, जिसका एक आक्रामक रूप रविवार को देखने को मिला, जब एकतरफ बिहार में सासाराम से महागठबंधन ने आयोग को निशाने पर रखते हुए वोटर अधिकार यात्रा शुरू की, वहीं निर्वाचन आयोग ने नई दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस कर विपक्ष को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास किया। विपक्षी नेताओं ने निर्वाचन आयोग पर भारतीय जनता पार्टी से मिलीभगत का इल्जाम लगाया, तो मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने यह अजीब चुनौती पेश कर दी कि मतदाता सूचियों में हेरफेर संबंधी अपने आरोपों पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हफ्ते भर के अंदर आयोग के सामने हलफनामा नहीं दिया, तो उनके सारे इल्जाम गलत माने जाएंगे। यह अति-दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच सियासी तलवारें खिचें, यह स्वाभाविक घटनाक्रम है। लेकिन किसी एक राजनीतिक पक्ष के निशाने पर कोई संवैधानिक संस्था आ जाए, तो उसे व्यवस्था के गहराते संकट के रूप में ही देखा जाएगा। अब सूरत यह है कि विपक्ष और उसके समर्थकों की निगाह में हर वैसे चुनाव का नतीजा संदिग्ध होगा, जिसमें वे विजयी ना हुए हों। उस स्थिति में उनका यही दावा होगा कि चुनाव को चुरा लिया गया। दूसरी तरफ निर्वाचन आयोग ऐसे आरोप को ठुकरा देगा और केंद्र में सत्ताधारी पार्टी उसके बचाव में आ खड़ी होगी। धीरे-धीरे यह रुझान भारतीय लोकतंत्र की साख को क्षीण करता जाएगा। चुनाव नतीजों को सहज स्वीकार करना चुनावी लोकतंत्र के टिकाऊ होने की बुनियादी शर्त है। इसी से सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण संभव होता है। इन स्थितियों के अभाव में अनगिनत देशों को राजनीतिक अशांति और उथल-पुथल से गुजरना पड़ा है। भारत में वैसी आशंका को हर हाल में टाला जाना चाहिए। निर्वाचन आयोग चाहे, तो इस दिशा में शुरुआत कर सकता है। उसे इस या किसी विवाद में एक पक्ष बन जाने की जरूरत नहीं है। अगर शिकायतें आई हैं, तो सदिच्छा और विनम्रता के साथ उसे तुरंत विपक्ष से संवाद शुरू करना चाहिए।

केंद्र 'पुलिस स्टेशन' नहीं

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संविधान के 130वें संशोधन वाले विधेयक लोकसभा में पेश किए। उनमें गंभीर और विवादास्पद प्रावधान किए गए हैं। दरअसल संविधान का बुनियादी सिद्धांत है कि जब तक किसी आरोपित को अदालत अपराधी या दोषी करार न दे, तब तक आरोपित व्यक्ति 'मासूम' है, 'निर्दोष' है, लेकिन प्रस्तावित बिल का विषय है कि कोई प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, राज्य सरकार का मंत्री 30 दिन हिरासत में रहता है, तो 31वें दिन वह संवैधानिक पद के 'अयोग्य' हो जाएगा। उसे इस्तीफा देना पड़ेगा अथवा बर्खास्त कर दिया जाएगा। इन प्रावधानों को विपक्ष ने संविधान-विरोधी, न्याय-विरोधी और मौलिक अधिकार-विरोधी करार दिया है, लिहाजा कुछ विपक्षी सांसदों ने बिल की प्रतियां फाड़ी हैं और उन्हें सत्ता पक्ष की तरफ फेंका है। इसे 'राक्षसी बिल' भी करार दिया गया है। गृहमंत्री की दलील है कि यह बिल सरकार और राजनीति में नैतिकता और शुद्धिकरण के मद्देनजर लाया गया है। यह अर्द्धसत्य है, क्योंकि भाजपा में ऐसे कई नेता शामिल किए गए, जिन पर गंभीर आपराधिक मामले चल रहे थे, लेकिन बाद में एजेंसियों ने उन्हें धूमिल कर दिया। ऐसे नेता मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक हैं। बहरहाल संसद में हंगामे और विरोध को देखते हुए संविधान संशोधन बिल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने की घोषणा की गई। समिति में 21 सांसद लोकसभा और 10 सांसद राज्यसभा के होंगे। बेशक अधिक सांसद सत्ता पक्ष के होंगे, लिहाजा बुनियादी बिल में ज्यादा संशोधनों की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। जेपीसी को संसद के शीत सत्र के पहले दिन तक रपट सौंपने को कहा गया है। विषय का विश्लेषण करने से पूर्व एडीआर की रपट गौरतलब है कि 2024 के संसदीय चुनाव में जो सांसद लोकसभा के लिए चुने गए थे, उनमें से करीब 46 फीसदी पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2009 में यह औसत 30 फीसदी था। सर्वोच्च अदालत के 'न्यायालय मित्र' ने उसे बताया है कि सांसदों और विधायकों के खिलाफकरीब 5000 आपराधिक मामले अब भी लंबित हैं। इस डाटा के मद्देनजर भी ऐसा संविधान संशोधन बिल संसद में पेश करना अपेक्षित और स्वीकार्य नहीं है। दरअसल केंद्र और राज्य सरकारों की अलग-अलग भूमिकाएं संविधान में तय की गई हैं। उनके अधिकार भी तय किए गए हैं। संघीय ढांचे पर आघात नहीं किया जा सकता। केंद्र सरकार 'पुलिस स्टेशन' की भूमिका में नहीं आ सकती। संभव है कि बिल बनाते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल का उदाहरण केंद्र सरकार और अधिकारियों के मानस में रहा होगा! केजरीवाल को 177 दिन तक जेल में रखा गया। उनके खिलाफ न तो आरोप अदालत में तय हुए और न ही किसी अदालत ने उन्हें 'दोषी' करार दिया। ऐसे कानूनों में संशोधन किया जाना चाहिए। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 5 माह तक जेल में बंद रखा गया। अंतत: उन्हें जमानत मिली, लेकिन आज तक उनके खिलाफकोई भी आरोप साबित नहीं किया जा सका है। दिल्ली सरकार के मंत्री रहे सत्येन्द्र जैन को 2 साल से अधिक समय तक जेल में रखा गया। अंतत: सीबीआई ने उनके मामले में क्लोजर रपट अदालत में पेश की और जैन को बिल्कुल बरी कर दिया गया। इन जेलबंद नेताओं की 'निर्दोषता' की भरपाई कौन करेगा? केजरीवाल ने जेल में रहते हुए मुख्यमंत्री पद नहीं छोड़ा और जेल से ही सरकार चलाते रहे। संविधान में ऐसी व्याख्या ही नहीं है कि जेल में रहने वाले मुख्यमंत्री और मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए अथवा राज्यपाल द्वारा उन्हें बर्खास्त करना चाहिए। सरकार ने प्रस्तावित बिल में प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री को भी जोड़ा है। यह ड्रामा है। सवाल है कि कितने प्रधानमंत्री 30 दिन तक हिरासत में रखे गए हैं? प्रधानमंत्री रहते हुए पीवी नरसिम्हा राव को अदालत ने 'अभियुक्त' करार दिया था। उन्हें जेल क्यों नहीं भेजा गया? इंदिरा को जेल जाना पड़ा। कानून लागू हो जाता है, तो किसी भी विपक्षी दल की सरकार ढहाई जा सकती है।

राजनीतिक भ्रष्टाचार व अपराध को मिटाने के लिए भाजपा द्वारा लाए हुए तीन नए कानूनों के सियासी मायने समझिये

कमलेश पांडे

देश में यथार्थवादी सियासत को बढ़ावा देने वाली राष्ट्रवादी स्वभाव की भारतीय जनता पार्टी अक्सर राजनीति की उन दु:खती हुई रगों पर ही हाथ डालती आई है जो इस सद्भावी देश व समरस समाज को बदलने की कुव्वत रखते हैं। इससे सोकॉल्ड सेक्यूलर्स, समाजवादियों व साम्यवादियों की बौखलाहट देखते ही बनती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रेरित भाजपा की दशक भर से ज्यादा देशव्यापी सियासी सफलता का राज भी यही है। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गत बुद्धवार को एकजुट विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच सदन में जो 'संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025', 'संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025' को पेश किया और उसके बाद उनके ही प्रस्ताव पर सदन ने तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का जो निर्णय लिया, वह देश व स्वस्थ समाज की स्थापना की दिशा में एक और बहुत ही उपयोगी पहल है। दरअसल, यह भाजपा का एक ऐसा मास्टरस्ट्रोक है, जिससे न केवल शरारती विपक्ष चारो खाने चित्त हो जाएगा, बल्कि अपने भ्रष्टाचारी सियासी मिजाज और अपराध को बढ़ावा देने के स्वभाव या फिर उससे आंखें मूंदे रखने के स्वभाव की भारी राजनीतिक कीमत भी उन्हें चुकानी पड़ेगी। दिलचस्प बात तो यह है कि कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी आदि ने जिस अदूरदर्शी तरीके से इन प्रस्तावित तीनों विधेयकों का विरोध किया है, उससे उसकी भी भ्रष्ट व आपराधिक मनोवृति को संरक्षण देने वाली कलई खुल चुकी है। यही वजह है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो टूक लहजे में कहा है कि अब देश की जनता को यह तय करना होगा कि क्या जेल में रहकर किसी मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री का सरकार चलाना उचित है? अथवा नहीं! बता दें कि इससे पहले गृहमंत्री शाह ने गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए गए और लगातार 30 दिन हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयक लोकसभा में पेश किए, जिन्हें सदन ने अध्ययन के लिए संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) को भेजने का फैसला किया।

दरअसल, एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने आप को कानून के दायरे में लाने का संविधान संशोधन पेश किया है, तो दूसरी ओर ''कानून के दायरे से बाहर रहने, जेल से सरकारें चलाने एवं कुर्सी का मोह न छोड़ने के लिए'' कांग्रेस के नेतृत्व में पूरे विपक्ष ने इसका विरोध किया है। इसलिए सजग जनता उनको मुंहतोड़ जवाब देगी। देखा जाए तो दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जिस तरह से जेल में रहकर दिल्ली की सरकार चलाई, उसके दृष्टिगत ऐसा विधेयक लाना केंद्र सरकार के लिए नितांत जरूरी हो गया था। इसलिए सरकार ने पूरी तैयारी के साथ इसे लोकसभा में प्रस्तुत कर दिया।

मौजूदा तीनों विधेयक देश में राजनीतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी सरकार की प्रतिबद्धता और जनता के आक्रोश को देखकर अमित शाह ने संसद में लोकसभा अध्यक्ष की सहमति से संवैधानिक संशोधन विधेयक पेश किया, ताकि महत्वपूर्ण संवैधानिक पद, जैसे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्र और राज्य सरकार के मंत्री जेल में रहते हुए सरकार न चला पाएं। मसलन, इस विधेयक का उद्देश्य सार्वजनिक जीवन में गिरते जा रहे नैतिकता के स्तर को ऊपर उठाना और राजनीति में शुचिता लाना है।

वाकई इन तीनों विधेयक से जो कानून अस्तित्व में आएगा, वह यह है कि कोई भी व्यक्ति गिरफ्तार होकर जेल से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्र या राज्य सरकार के मंत्री के रूप में शासन नहीं चला सकता है।'' इसलिए शाह ने यह स्पष्ट कहा कि, ''संविधान जब बना, तब हमारे संविधान निर्माताओं ने यह कल्पना भी नहीं की थी कि भविष्य में ऐसे राजनीतिक व्यक्ति भी आएंगे, जो गिरफ्तार होने से पहले नैतिक मूल्यों पर इस्तीफा नहीं देंगे।'' वाकई विगत कुछ वर्षों में, देश में ऐसी आश्चर्यजनक स्थिति उत्पन्न हुई कि मुख्यमंत्री या मंत्री बिना इस्तीफा दिए जेल से अनैतिक रूप से सरकार चलाते रहे।

बकौल शाह, इस विधेयक में आरोपी नेता को गिरफ्तारी के 30 दिन के अंदर अदालत से जमानत लेने का प्रावधान भी दिया गया है। अगर वे 30 दिन में जमानत प्राप्त नहीं कर पाते हैं, तो 31वें दिन या तो केंद्र में प्रधानमंत्री और राज्यों में मुख्यमंत्री उन्हें पदों से हटाएंगे, अन्यथा वे स्वयं ही कानूनी रूप से कार्य करने के लिए अयोग्य हो जाएंगे। जबकि कानूनी प्रक्रिया के बाद ऐसे नेता को यदि जमानत मिलेगी, तब वे अपने पद पर पुन: आसीन हो सकते हैं। वहीं, शाह ने कांग्रेस को इंगित करते हुए कहा कि देश को वह समय भी याद है, जब इसी महान सदन में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संविधान संशोधन संख्या-39 से प्रधानमंत्री को ऐसा विशेषाधिकार दिया कि प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई भी कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती थी।

इस प्रकार एक तरफ यह कांग्रेस की कार्य संस्कृति और उनकी नीति है कि वे प्रधानमंत्री को संविधान संशोधन करके कानून से ऊपर करते हैं। जबकि, दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी की नीति है कि हम हमारी सरकार के प्रधानमंत्री, मंत्री, मुख्यमंत्रियों को ही कानून के दायरे में ला रहे हैं।

गृह मंत्री ने अफसोस जताते हुए कहा कि, ''आज सदन में कांग्रेस के एक नेता ने मेरे बारे में व्यक्तिगत टिप्पणी भी की कि जब कांग्रेस ने मुझे पूरी तरह से फर्जी मामले में फंसाया और गिरफ्तार कराया, तब मैंने इस्तीफा नहीं दिया।'' उन्होंने कहा, ''मैं कांग्रेस को याद दिलाना चाहता हूं कि मैंने गिरफ्तार होने से पहले ही इस्तीफा दे दिया था और जमानत पर बाहर आने के बाद भी जब तक मैं अदालत से पूरी तरह निर्दोष साबित नहीं हुआ, तब तक मैंने कोई संवैधानिक पद नहीं लिया था। मेरे ऊपर लगाए गए फर्जी आरोपों को अदालत ने यह कहते हुए खारिज किया कि मामला राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित है।''

नि:सन्देह, भाजपा और राजग हमेशा नैतिक मूल्यों के पक्षधर रहे हैं तथा लाल कृष्ण आडवाणी ने भी सिर्फ आरोप लगने पर ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। दूसरी ओर इंदिरा गांधी द्वारा शुरू की गई ''अनैतिक परंपरा'' को कांग्रेस पार्टी आज भी आगे बढ़ा रही है। जिस लालू प्रसाद यादव को बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी अध्यादेश लाई थी, जिसका राहुल गांधी ने विरोध किया था, आज वही राहुल गांधी पटना के गांधी मैदान में लालू जी को गले लगा रहे हैं। विपक्ष का यह दोहरा चरित्र जनता भली-भांति समझ चुकी है। अरविंद केजरीवाल से भी कांग्रेस का रिश्ता जगजाहिर है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि यह पहले से स्पष्ट था कि यह विधेयक संसद की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के समक्ष रखा जाएगा, जहां इस पर गहन चर्चा होगी। फिर भी सभी प्रकार की शर्म और हया छोड़कर, भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए, कांग्रेस के नेतृत्व में पूरा 'इंडी' (गठबंधन गठबंधन 'इंडिया') एकत्रित होकर इसका भद्दी तरह से विरोध कर रहा था। आज विपक्ष का जनता के बीच पूरी तरह से पर्दाफाश हो गया है।

ऐसे में सवाल है कि आखिर इस युगांतरकारी बिल से भाजपा आमलोगों को क्या संदेश देना चाहती है? तो जवाब होगा कि संसद का मॉनसून सत्र पूरा होने के महज एक दिन पहले केंद्र की एनडीए सरकार ने लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक पेश किया और इसे व्यापक चर्चा के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेज दिया। ऐसा इसलिए किया गया कि इस विधेयक के जरिए बीजेपी सिर्फ यह नहीं बताना चाह रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भ्रष्टाचार के खिलाफ सभी मोर्चों पर लड़ाई जा रही है, बल्कि राजनीति के अपराधीकरण को लेकर भी एक ठोस संदेश दे रही है। इससे आमलोगों के बीच सकारात्मक संदेश जाएगा।

इस बारे में बीजेपी का मानना है कि इस बिल को लोग पसंद करेंगे, जिससे इसका सकरात्मक संदेश जाएगा। उन्होंने याद दिलाया कि जब लालबत्ती खत्म करने का फैसला लिया गया था तो सबसे अच्छा असर युवाओं में ही हुआ था, क्योंकि युवा किसी भी वीआईपी कल्चर के खिलाफ हैं। वहीं, राजनीति में भ्रष्ट लोग ना रहें, इसे लेकर भी वर्षों से युवाओं में चर्चा तेज है। पार्टी ने 2010-11 के अन्ना आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि चूंकि जनलोकपाल व भ्रष्टाचार के खिलाफ चली इस लड़ाई में देश के युवाओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया था। इसलिए इस तीनों बिल के जरिए हम अपनी मंशा साफ कर रहे हैं कि भाजपा राजनीति में अपराधीकरण और करप्शन के खिलाफ है और करप्शन के खिलाफ हमारी जंग जारी रहेगी।

रही बात राजनीति और नैतिकता की तो जनप्रतिनिधि होने के नाते यह बहुत जरूरी है। इस बाबत भाजपा की सोच है कि संविधान निर्माताओं ने भी यह सोचा होगा कि अपराधी और भ्रष्ट लोगों को राजनीति से दूर रखा जाए, लेकिन तब इसका प्रावधान इसलिए नहीं डाला गया, क्योंकि उस समय राजनीति में नैतिकता थी। आरोप लगने भर से लोग कुर्सी छोड़ देते थे। लेकिन, अब स्थिति यह नहीं है। पार्टी ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि अब लोग जेल से ही सरकार चलाना चाहते हैं। लिहाजा, कानून के जरिए यह सुनिश्चित किया जाएगा कि अपराधी और भ्रष्ट लोग सत्ता से दूर रहें।

कुल मिलाकर मौजूदा बिल सियासत में व्याप्त व्यक्तिगत भ्रष्टाचार के खिलाफ है। ऐसा किया जाना राष्ट्रहित और जनहित दोनों में जरूरी है। पार्टी ने ठीक ही कहा है कि इस बिल के दायरे में पीएम और केंद्र के मंत्री भी हैं, ऐसे में विपक्ष की इस बात की हवा खुद ही निकल जाती है कि केंद्र सरकार, अपने मातहत राज्य सरकारों के खिलाफ इसका दुरुपयोग कर सकती है।

जानिए इस बिल के अहम प्रावधान के बारे में - 130वें संशोधन विधेयक में संविधान के अनुच्छेद 175, 164 और 239आ में नए प्रावधान जोड़ने का प्रस्ताव है। जम्मू-कश्मीर और अन्य केंद्र शासित प्रदेशों के लिए भी दो समान संशोधन लाई गई है, जिसका नाम जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 और केंद्र शासित प्रदेश शासन (संशोधन) विधेयक, 2025 है।

केंद्रीय मंत्री को प्रधानमंत्री की सलाह पर पद से हटा सकेंगे। अगर 31वें दिन तक ऐसी सलाह नहीं दी जाती है तो वह मंत्री पद से खुद ब खुद हट जाएंगे। प्रधानमंत्री के मामले में प्रस्तावित कानून कहता है कि उन्हें गिरफ्तारी और हिरासत में लिए जाने के 31वें दिन तक इस्तीफा देना होगा और यदि ऐसा नहीं किया, तो वो स्वत: प्रधानमंत्री पद से मुक्त हो जाएंगे।

वहीं, पीएम या मंत्री हिरासत से रिहा होने पर दोबारा नियुक्त हो सकेंगे। ऐसा कानून राज्यों के सीएम और अन्य मंत्रियों के लिए भी प्रस्तावित है। इस उपधारा में निहित कोई भी बात ऐसे दोषी या मंत्री को, हिरासत से रिलीज (रिहा) होने पर, राष्ट्रपति द्वारा, पुन: प्रधानमंत्री या मंत्री के रूप में नियुक्त किए जाने से नहीं रोकेगी।

जानिए, आखिर में क्या है इस क्रांतिकारी कानून को लाने की असली वजह- चूंकि निर्वाचित प्रतिनिधि भारत की जनता की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर केवल जनहित और जनता के कल्याण के लिए कार्य करें। वहीं, यह भी अपेक्षित है कि पद पर आसीन मंत्रियों का चरित्र और आचरण संदेह से परे होना चाहिए। ऐसे में जब कोई मंत्री, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री जो गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहा हो और जिसे गिरफ्तार करके हिरासत में रखा गया हो, वह संवैधानिक नैतिकता और सुशासन के सिद्धांतों में बाधा डाल सकता है और अंतत: जनता द्वारा उसमें जताए गए संवैधानिक विश्वास को कमजोर कर सकता है।

दरअसल, कई बार ऐसा हो चुका है, इसलिए मोदी सरकार नया कानून लेकर आई है। सरकार का कहना है कि अबतक संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि किसी मंत्री को गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तारी और हिरासत में रहने पर पद से हटाया जा सके। लिहाजा, उपरोक्त परिस्थितियों को देखते हुए, संविधान के अनुच्छेद 75, 164 और 239आ में संशोधन की आवश्यकता है, ताकि ऐसे मामलों में प्रधानमंत्री या केंद्र मंत्रिपरिषद के मंत्री, तथा मुख्यमंत्री या राज्यों और दिल्ली की मंत्रिपरिषद के मंत्रियों को हटाने का कानूनी ढांचा उपलब्ध कराया जा सके। यही जनहित में उचित होगा।

समझिए कि मौजूदा कानून क्या है और उसमें क्या कमी है?- साल 2013 में लिली थॉमस केस में सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में उस प्रावधान को निरस्त कर दिया था, जो सांसद और एमएलए को आपराधिक मामलों में दोषी पाए जाने के बाद भी सदस्यता रद्द होने से बचाता था। दरअसल, इस धारा के तहत दोषी पाए जाने वाले सांसद और विधायक की अपील दाखिल करने के ग्राउंड पर सदस्यता खत्म नहीं होती थी। इस धारा के निरस्त होने के बाद जो भी जनप्रतिनिधि दोषी पाए जाएंगे, उनकी सदस्यता निरस्त हो जाएगी।

सिंधु की पुकार: संप्रभुता की वापसी और गौरव की बहाली

अर्जुन राम मेघवाल

मानसून शब्द पूरे भारत में खुशी और गर्व का संचार करता है। यह नवाचार, नवीनीकरण और राष्ट्र के आर्थिक इंजन को तत्काल गति प्रदान करने का प्रतीक है। भारत की भौगोलिक स्थिति, प्रचुर वर्षा के साथ मिलकर, इसकी नदियों को पुनर्जीवित करती है और देशभर में जल संसाधनों का विस्तार करती है। यह प्रगति के मौसम का प्रतीक है और स्वतंत्रता दिवस समारोहों के साथ मिला दिए जाने पर देशभक्ति की एक अनूठी भावना का संचार करता है। लाल किले की प्राचीर से, प्रधानमंत्री के संबोधन ने एक बार फिर आकांक्षी नागरिकों के लिए एक ऐसा खाका पेश किया जो एक विकसित भारत के निर्माण के व्यापक लक्ष्य को साकार करने का मार्ग प्रशस्त करता है।

संसद के इस विशेष मानसून सत्र की शुरुआत में, प्रधानमंत्री ने इसे भारत का गौरवशाली सत्र बताया था। भारतीय सैनिकों का शौर्य, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के कारखानों पर निर्णायक प्रहार और सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) का स्थगन—ये सब भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति के सबूत हैं और राष्ट्रीय मानस पर एक अमिट छाप छोड़ते हैं। फिर भी, सभी मुद्दों पर खुलकर चर्चा के लिए सरकार के राजी होने के बावजूद, विपक्ष ने बाधा डालने का रास्ता चुना और व्यापक जनहित की कीमत पर विचार-विमर्श को राजनीतिक नौटंकी में सीमित कर दिया।

देश अरसे से स्वार्थ को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखने की कांग्रेस की पुरानी आदत का बोझ ढोता चला आ रहा है। विभाजन की दुखद विभीषिका से लेकर नेहरूवादी कूटनीति की महंगी पड़ने वाली विफलताओं तक, इतिहास गवाह है कि कैसे इन फैसलों ने भारत की मूल अवधारणा को ही कमजोर कर दिया। सिंधु जल संधि (1960) पर बारीकी से गौर करने पर, जनता और देश के विकास की कीमत पर तुष्टिकरण व अति-उदारता की एक ऐसी कहानी सामने आती है, जिसने राष्ट्रीय विकास की संभावनाओं को निरंतर बाधित किया। यह घोर विडंबनापूर्ण है कि भारत के विकास से जुड़े हितों का त्याग एक ऐसे राजनीतिक आकलन से प्रेरित थे जिसने अपने नागरिकों के कल्याण से ऊपर पाकिस्तान के हितों को तरजीह दी।

मूल रूप से, विश्व बैंक की मध्यस्थता से हुई सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी), सिंधु नदी प्रणाली के जल का आवंटन पाकिस्तान के पक्ष में (80:20) करती है। सिंधु नदी प्रणाली का उद्गम मुख्य रूप से भारत में है। इस संधि के तहत भारत को पश्चिमी में बहने वाली सिंधु, चिनाब और झेलम जैसी महत्वपूर्ण नदियों पर नियंत्रण छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ा, जिससे वैसे व्यापक जल संसाधन छिन गए जो पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के विशाल शुष्क एवं सूखाग्रस्त इलाकों का कायाकल्प कर सकते थे। यदि राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जाती, तो सुव्यवस्थित जल अवसंरचना इस इलाके के संपूर्ण विकास की तस्वीर को बेहतर बना सकती थी।

हालांकि, इस महत्वपूर्ण त्याग से व्यापक कूटनीतिक लाभ मिलने की उम्मीदें भ्रामक साबित हुईं। इस संधि के प्रक्रियात्मक संचालन ने चिंताओं को और बढ़ा दिया। इस संधि पर 19 सितंबर 1960 को हस्ताक्षर किए गए थे। लेकिन इसे दो महीने बाद, नवंबर में, संसद के समक्ष रखा गया और वह भी मात्र दो घंटे की औपचारिक चर्चा के लिए। जैसे ही इस संधि से जुड़े तथ्य सामने आए, इसके विभिन्न पहलुओं की पड़ताल के बाद प्रमुख समाचार पत्रों में छपी प्रतिकूल टिप्पणियां सुर्खियों में छायी रहीं। इतने महत्वपूर्ण समझौते के प्रति संसदीय स्तर पर बरते गए इस जल्दबाजी भरे व्यवहार ने लोकतांत्रिक निगरानी, पारदर्शिता और तत्कालीन नेतृत्व की दुर्भावनापूर्ण मंशा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

इस सीमित संसदीय पड़ताल के बावजूद, सिंधु जल संधि को भारतीय संसद में भारी विरोध का सामना करना पड़ा। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी, जो उस समय एक युवा सांसद थे, ने चेताते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री नेहरू का यह तर्क बुनियादी रूप से त्रुटिपूर्ण है कि पाकिस्तान की अनुचित मांगों के आगे झुकने से मित्रता और सद्भावना स्थापित होगी।

संसद में 30 नवंबर 1960 को हुई बहस से पता चलता है कि सभी दलों ने इस संधि की आलोचना की थी। अधिकांश सदस्यों ने सरकार की आलोचना की थी और उस पर पाकिस्तान के सामने झुकने तथा भारतीय हितों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था। राजस्थान से कांग्रेस सांसद श्री हरीश चंद्र माथुर, अशोक मेहता, ए.सी. गुहा, कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद केटीके तंगमणि, सरदार इकबाल सिंह, बृजराज सिंह ने इस जल कूटनीति को लेकर स्पष्ट रूप से चिंताएं जाहिर की थी और इसके विफल होने से जुड़े नतीजों के बारे में अंदेशा जताया था। कुल मिलाकर, इस संधि को एकतरफा, न कि लेन-देन पर आधारित कहा जा सकता है।

इस संदर्भ में, यह विडंबना ही थी कि लोकसभा में अपने उत्तर के दौरान प्रधानमंत्री नेहरू ने माननीय सांसदों की बुद्धिमत्ता पर सवाल उठाए और उन्हें कमतर भी आंका। उन्होंने अपने जवाब में कहा कि संसदों द्वारा की गई आलोचना तथ्य और निहित विचारों से अनजान रहने पर आधारित है। उन्होंने (नेहरू) आगे कहा, मुझे इस बात का दुख है कि इतने महत्वपूर्ण मामले को... एक ऐसा मामला जो न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य से भी जुड़ा है... इतने हल्के में और इतनी लापरवाही एवं संकीर्ण सोच के साथ लिया जा रहा है।

इस संधि ने भारत के हितों को कुंद कर दिया और यह पाकिस्तान के लिए एक निर्णायक उपलब्धि साबित हुआ। अयूब खान ने एक सार्वजनिक प्रसारण में स्वीकार किया था कि इस संधि की वैधता और गुण-दोष पाकिस्तान के विरुद्ध थे, लेकिन इस मामले में नेहरू की कूटनीतिक विफलता ने पाकिस्तान को बढ़त दिला दी। 4 सितंबर 1960 को रावलपिंडी में अपने प्रसारण में, अयूब खान ने कहा था, अब जो समाधान हमें मिला है, वह आदर्श नहीं है... लेकिन यह सबसे अच्छा समाधान है जो हमें इन परिस्थितियों में मिल सकता था, इनमें से कई बिंदु, चाहे उनके गुण-दोष और वैधता कुछ भी हों, हमारे खिलाफ हैं। ये खुलासे आज भी राष्ट्रीय हित को गौण रखने के पीछे के मकसद पर सवाल खड़े करते हैं।

जैसा कि निरंजन डी. गुलाटी ने अपनी किताब इंडस वाटर ट्रीटी: एन एक्सरसाइज इन इंटरनेशनल मीडिएशन में लिखा है, 28 फरवरी 1961 को खुद प्रधानमंत्री नेहरू ने इस निराशा को स्वीकार करते हुए कहा था: मुझे उम्मीद थी कि यह समझौता अन्य समस्याओं के समाधान का रास्ता खोलेगा, लेकिन हम वहीं खड़े हैं जहां पहले थे। इस संधि के बाद के घटनाक्रम में आया तीखा अंतर इस समझौते की असमानता को और भी गहराई से रेखांकित करता है। नेहरू की ढिलाई और राष्ट्रीय हित को दरकिनार करने की प्रवृत्ति समय के साथ भारी पड़ती गई। फरवरी 1962 में, 'वाशिंगटन पोस्ट' को दिए एक साक्षात्कार में, प्रधानमंत्री नेहरू ने सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर को आगे की दिशा में एक बड़ा कदम और वास्तव में यह समझौता (कश्मीर के) क्षेत्रीय मुद्दों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण... बताया।

गणेश उत्सव में गणपति बप्पा की किस रंग की मूर्ति घर लाएं?

गणेशोत्सव की तैयार शुरू हो चुकी हैं। हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से लेकर लगातार 10 दिनों तक बड़े धूमधाम से गणेश उत्सव मनाया जाता है। इस दौरान घर के मंदिर या पूजा-पंडालों में गणेशजी की मूर्ति स्थापित की जाती है और उनकी विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है।

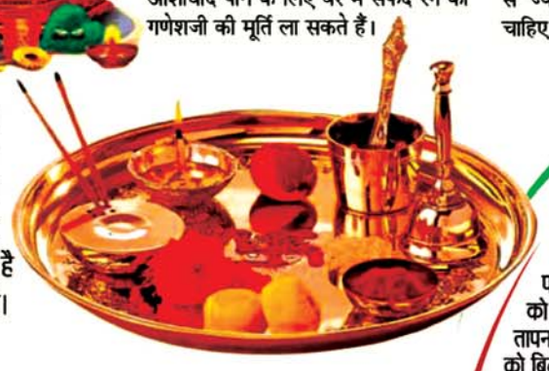

-: गणेशजी की मूर्ति से जुड़े वास्तु टिप्स :-

वास्तु एक्सपर्ट के अनुसार,हरे रंग की गणेश जी मूर्ति उत्तर दिशा में स्थापित करने से धन से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं।

काले रंग की गणेश मूर्ति उत्तर-पूर्व दिशा में रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार, ऐसा करने से मानसिक तनाव और रोग दोषों से मुक्ति मिलती है।

नारंगी रंग के गणपति बप्पा को दक्षिण या दक्षिण पूर्व दिशा में रखें। मान्यता है कि इससे आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।

जीवन में सुख-शांति और गणपति बप्पा का आशीर्वाद पाने के लिए घर में सफेद रंग की गणेशजी की मूर्ति ला सकते हैं।

इस रंग के गणपति को उत्तर-पश्चिम दिशा में रखना चाहिए।

वास्तु एक्सपर्ट की मानें, तो घर के मंदिर,किचन और ऑफिस के वास्तु दोष को दूर करने के लिए गणेशजी की मूर्ति स्थापित करना शुभ होता है।

वास्तु के अनुसार, घर में एक साथ गणेश जी बहुत सारी मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए।

घर में गणेश जी बाएं सूड़ वाली प्रतिमा को स्थापित करना लाभकारी माना गया है।

घर में गणेशजी की मूर्ति रखने के लिए मूर्ति की ऊंचाई 6 इंच से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

अब खुद कीजिए नाखूनों पर कलाकारी

नेलपॉलिश हाथों की खूबसूरती बढ़ाने में मदद करते हैं। लेकिन अब केवल नेलपॉलिश से काम नहीं चलता। नाखूनों पर नेल ऑर्ट स्टाइलिश और ट्रेंडी दोनों दिखती है। लेकिन इसके लिए महंगे नेल आर्टिस्ट के पास जाने या महंगे इक्विपमेंट खरीदने की जरुरत नही है। बस नेलपॉलिश के साथ घर में रखी इन चीजों की मदद से सुंदर नेल आर्ट बनाने में मदद मिलेगी। तो चलिए जानें कैसे घर में रखी चीजों से नेल आर्ट बनाएं।

1. मेकअप ब्लेंडर से नेल आर्ट बनाने के लिए सबसे पहले नाखूनों पर नेल पेंट लगा लें। अब नेल पेंट से कलर कॉम्बीनेशन वाली दूसरी नेल पेंट को ब्लेंडर की टिप पर लगाकर नाखूनों पर टैप करते हुए छोटे गोले बनाएं। अलग-अलग रंग की नेल पेंट से कलरफुल नेल आर्ट भी बना सकती हैं।

2. ईयरबड्स का इस्तेमाल भी आप नेल आर्ट बनाने के लिए कर सकती हैं। नाखूनों पर नेल पेंट लगाएं। अब ईयरबड्स पर किसी दूसरे रंग की नेल पेंट लगाकर नाखूनों पर टेढ़ी-मेढ़ी लाइन बना लें। इससे आपके नाखून काफी सुंदर लगने लगेंगे।

3. टूथपिक का इस्तेमाल भी आप नेल आर्ट बनाने के लिए कर सकती हैं। पहले आधे नाखूनों में नेल पेंट लगाएं। अब स्माइली बनाने के लिए टूथपिक के पिछले हिस्से को दूसरे रंग की नेल पॉलिश में डुबोकर नाखूनों पर दो डॉट बनाएं और टूथपिक के अगले हिस्से से डॉट के नीचे स्माइली बना लें।

4. हेयर पिन से नेल आर्ट बनाने के लिए सबसे पहले नाखूनों पर नेल पेंट लगा लें। अब जिग-जैग वाली हेयर पिन पर दूसरे कलर की नेल पेंट लगाकर किसी भी पैटर्न में नाखूनों पर लगाएं। इससे आपकी नेल आर्ट काफी प्रोफेशनल लगने लगेगी।

5. पेन की रिफिल से नेल आर्ट बनाने के लिए नाखूनों पर ब्लैक या किसी अन्य कलर की नेल पेंट लगाएं। अब सफेद या किसी कॉम्बीनेशन कलर वाली नेलपेंट को रिफिल के कोने पर लगाकर नाखूनों पर अपनी मनपसंद डिजाइन बना लें। डिजाइन आसानी से बन जाएंगे।

स्किन को सही तरीके से करें हाईड्रेट

कड़ाके की सर्दी स्किन का हाल बुरा कर देती है। जिसके कई सारे कारण होते हैं। एक तो ठंडी हवाओं में नमी नहीं होती। दूसरे गर्म पानी से नहाना और फिर शरीर को गर्म करने के लिए हीटर या आग तापना। ये सारी चीजें मिलकर स्किन को बिल्कुल रूखा और बेजान बना देती है। नतीजा स्किन में कई बार खुजली होने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि स्किन को सही तरीके से हाईड्रेट किया जाए और तब मॉइश्चराइजर लगाया जाए।

बार-बार लगाना पड़ेगा मॉइश्चराइजर

स्किन जब ज्यादा रूखी रहती है तो इस पर कुछ देर के बाद ही मॉइश्चराइजर का असर खत्म होने लगता है। ऐसे में हर 4-5 घंटे के अंतराल पर मॉइश्चराइजर लगा लें। इससे स्किन में नमी बनी रहेगी।

पेट्रोलियम जेली बेस्ट मॉइश्चराइजर

स्किन बिल्कुल रूखी और बेजान हो गई है तो उस पर नॉर्मल मॉइश्चराइजर की बजाय पेट्रोलियम जेली जैसे वैसलीन ज्यादा तेजी से असर दिखाती है।

बेबी ऑयल भी करेगा मदद

अगर आपका मॉइश्चराइजर स्किन पर असर नहीं दिखा रहा है तो बेबी ऑयल को स्किन पर लगाएं। इसमे ज्यादा नरिश्मेंट होती है और ये स्किन पर ज्यादा देर तक टिका रहेगा। हमेशा ऑयल बेस्ड मॉइश्चराइजर को ही ठंड के लिए चुनें।

मॉइश्चराइजर लगाने का तरीका

ठंड में नमी की कमी होती है। जब आप गर्म पानी से नहाते हैं तो कुछ ही देर बाद शरीर का पानी सूख जाता है। ऐसे में मॉइश्चराइजर लगाने पर वो स्किन को अंदर तक मॉइश्चराइज नहीं करता केवल स्किन पर मौजूद पानी को लॉक कर देता है। अगर शरीर बिल्कुल सूखा है तो मॉइश्चराइजर का असर बहुत कम होगा। इसलिए हमेशा हल्की गीली स्किन पर ही मॉइश्चराइजर लगा लें। इससे स्किन पर मौजूद पानी को वो लॉक कर लेगा और स्किन ज्यादा देर तक नमी वाली बनी रहेगी और ड्राइनेस, खुजली परेशान नहीं करेगी। डेली रूटीन में मॉइश्चराइजर लगाने के अलावा शहद और दही जैसे नेचुरल मॉइश्चर देने वाली चीजों को भी टाइम-टाइम पर लगाते रहें।

बारिश के मौसम में पिएं हर्बल टी

बारिश के मौसम में हर्बल टी बनाकर पिएं और इनसे मिलने वाले फायदे उठाएं। ये खासकर इस मौसम के लिए हैं जो हेल्थ के लिए बहुत अच्छी मानी जाती हैं। जानते हैं ईजी रेसिपी। एंड कोल्ड में आराम देता है। किसी से वेट लॉस होता है तो किसी के पीने से पेट साफ होता है। जानते हैं ऐसी ही कुछ हर्बल टी की रेसिपी जो हमारे किचन में ही आसानी से मिलने वाले सामान से बन जाती हैं।

लेमनग्रास एंड जिंजर टी

इसके लिए थोड़ी सी लेमनग्रास ले लें और अदरक को कूटकर उसे पानी में डालकर दोनों को साथ उबालें। इसमें लौंग भी डालें और थोड़ी देर उबालने के बाद छानकर पिएं। अगर टेस्ट बिटर लगे तो हल्का सा गुड़ डाल लें। ये बारिश में गले में बहुत आराम देती है और पेट के लिए भी बेहतरीन होती है।

हनी, लेमन एंड टरमरिक टी

ये चाय बारिश का अमृत कही जाती है। इसे बनाने के लिए थोड़ी सी काली मिर्च कूटकर और एक कच्ची हल्द की गांठ छोटे टुकड़े करके पानी में उबालें। कच्ची हल्दी गर्म होती है इसलिए मात्रा कम ही लें। थोड़ी देर बाद इसे छान लें और ऊपर से लेमन और हनी मिक्स करके पिएं। ये सर्दी में रामबाण का काम करती हैं।

तुलसी टी

तुलसी टी के जितने फायदे कहे जाएं कम हैं। इसे तो चाय के तौर पर अपनी रेग्यूलर चाय में मिक्स करके या पानी में उबालकर कैसे भी ले सकते हैं। ये इम्यूनिटी तो बढ़ाती ही है साथ ही स्किन के लिए भी बहुत अच्छी होती है। इसकी चाय बनने के लिए एक बाउल में तुलसी की पत्तियां उबालें और छानने के बाद ऊपर से एक चम्मच हनी और नींबू का रस मिलाकर पिएं।

मिंट टी, सिनेमन टी

सिनेमन इतना गर्म होता है कि इसे सर्दी में लेना ही ठीक है। इसके लिए सिनेमन को पानी में उबालें और काली मिर्च भी कूटकर डालें। इसे नीचे उतारकर गुड़ मिलाएं और पी लें। ये वेट लॉस में बहुत फायदा करती है।

बच्चों के मनोभावों को समझना आसान नहीं

कॉम्प्लेक्स इमोशंस

आजकल बच्चे कई तरह के इंमोशंस से गुजरते हैं । हमारी पीढ़ी के लोगों की तुलना में आज के बच्चों का जीवन ज्यादा जटिल है। ऐसे में पेरेंट को उनकी भावनाओं को समझने का प्रयास करना चाहिए। अपने समय से बार बार तुलना करने से कोई फायदा नहीं होगा। उन्हें अपने मन की बातों को शेयर करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

आजादी

आजकल बच्चे आजादी चाहते हैं। पेरेंट के लिए उन्हें दी जाने वाली आजादी और उनके लिए सीमा तय करने के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता है। अगर आप बच्चों को कुछ करने से रोकना चाहते हैं तो उसका कारण अच्छी तरह से बताना जरूरी है। बच्चों को ऐसा महसूस न कराएं कि आप उनके हर काम और व्यवहार पर नजर रख रहे हैं।

हर बच्चा अलग

हर बच्चा अपने आप में अलग व्यक्तित्व और स्वभाव को होता है। सबसे पहले उसे उसके उसी अंदाज के साथ स्वीकार करें। उन्हें किसी और की तरह दिखने या काम करने के लिए कहने से बचना जरूरी है। अधिकतर पेरेंट अपने बच्चे की यूनिकनेस को इग्नोर कर उसे किसी और की तरह देखना चाहते हैं, ऐसा करना आपके बच्चे को आपसे दूर कर सकता है।

उन्हें भी होता है स्ट्रेस

आजकल बच्चों में स्ट्रेस और एंग्जायटी कॉमन है। अधिकतर पेरेंट बच्चों में शुरु हो चुकी इन परेशानियों को इग्नोर कर देते हैं। बेहतर होगा कि इस बारे में बच्चों से बात करें।

पार्टनर के साथ बॉन्ड स्ट्रांग बनाने के टिप्स

जीवन में सफलता हासिल करने के लिए ही नहीं बल्कि अपने कमजोर होते हुए रिश्तों को मजबूत बनाए रखने के लिए भी व्यक्ति का खुद पर आत्मविश्वास होना बेहद जरूरी होता है। एक मजबूत आत्मविश्वास वाला व्यक्ति ना सिर्फ पार्टनर के साथ अपना बॉन्ड मजबूत बनाए रखता है बल्कि उसके साथ अपनी अच्छी बातचीत होने की वजह से अपनी खुशियों का भी पूरा ध्यान रखता है। पार्टनर के साथ खुलकर बातचीत करने की हिम्मत नहीं होती ।

अपनी खूबियों को एक दूसरे के साथ शेयर करें-

अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने का सबसे पहला तरीका है, आप खुद अपनी शक्तियों को पहचानकर उनकी सराहना करें। इसके लिए आप अपने पार्टनर के साथ अपनी-अपनी खूबियों की एक लिस्ट बनाकर एक दूसरे के साथ शेयर करें। इस उपाय को आजमाने से आप दोनों को अपने भीतर छिपी खूबियों और क्षमता को पहचानने में मदद मिल सकती है। ऐसा करते हुए आप दोनों एक दूसरे का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उसे कोई अच्छा कॉम्प्लीमेंट भी दे सकते हैं।

एक दूसरे के लक्ष्यों को हासिल करने में करें मदद-

अपने साथ अपने पार्टनर का भी आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए हमेशा एक दूसरे के लक्ष्यों का ध्यान रखें। इतना ही नहीं उन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए एक दूसरे का पूरा सहयोग भी करें। इसके लिए आप दोनों अपने-अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक लक्ष्यों को एक दूसरे के साथ जरूर शेयर करें। अपने रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए एक-दूसरे की प्रगति का जश्न साथ में मनाएं।

हर दिन कुछ नया करने की कोशिश करें-

आत्मविश्वास को बढ़ाने का एक और तरीका है अपने साथी के साथ मिलकर कुछ नया करने की कोशिश करें। इसमें आप अपनी किसी हॉबी,कुकिंग, ट्रैवलिंग, जैसी चीजों को शामिल कर सकते हैं। ऐसा करने से आपको ना सिर्फ कुछ नया सीखने को मिलेगा बल्कि व्यक्तिगत विकास के साथ अपने डर और शंका को दूर करने का मौका भी मिलेगा।

फर्श पर सोने के फायदे

आजकल की लाइफस्टाइल काफी ज्यादा मॉर्डन और फास्ट है। लोगों को मुलायम गद्दों पर सोना काफी ज्यादा पसंद होता है। ज्यादातर लोग बेड पर मोटे से मोटा गद्दा का इस्तेमाल करते हैं। जमीन पर सोना तो अब पुराने ख्याल वाले लोगों की बात हो गई है। आजकल लोग अपने बेड से किसी भी तरह का समझौता करने को तैयार नहीं है। ऑफिस की थकावट के बाद एक व्यक्ति को लगता है कि कैसे भी अपने घर पहुंचकर चैन की नींद ले। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो इतने ज्यादा आराम के बावजूद काफी ज्यादा पीठ और कमर के दर्द से परेशान रहते हैं।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अगर आपके भी शरीर में छोटी-मोटी किसी भी तरह का दर्द है तो आप जमीन पर सोना शुरू कर दें। आपको हफ्ते के अंदर इससे इतना ज्यादा फायदा मिलेगा जो आप विश्वास भी नहीं कर पाएंगे। भले ही शुरुआत में आपको सोने में बिल्कुल भी आराम नहीं मिलेगा लेकिन बाद में इसके कई सारे फायदे मिलेंगे। सबसे पहले एक पतली सी चटाई या कारपेट लें। अगर आपको असुविधा हो रही है तो चटाई पर कोई पतला सा गद्दा बिछा लें। इससे हड्डियों का अलाइनमेंट ठीक रहता है। अगर आपको काफी ज्यादा पीठ में दर्द होता है तो जमीन पर सोते वक्त पीठ के बल ही सोएं। इससे रीढ़ की हड्डी को काफी ज्यादा आराम मिलेगा। जमीन पर जब आप सोने की आदत बनाते हैं तो पतले तकिए का ही इस्तेमाल करें । इससे आपकी आदत भी बनेगी और बिना तकिया सोने से सांस लेने की परेशानी भी दूर रहेगी। जमीन पर सोने के लिए मुलायम गद्दे का इस्तेमाल न करें क्योंकि इससे आपके शरीर में दर्द शुरू हो जाएगी।

रीढ़ की हड्डी रहेगी एकदम ठीक

जमीन पर सोने से रीढ़ की हड्डी में दर्द और अकड़न कम होती है। जब आप गद्देदार गद्दे पर सोते हैं तो रीढ़ की हड्डी अकड़ जाती है। जिसका सीधा असर दिमाग पर पड़ता है। रीढ़ की हड्डी सेंट्रल नर्वस सिस्टम से जुड़ा हुआ रहता है। इसका सीधा कनेक्शन ब्रेन से जुड़ा हुआ है।

मांसपेशियों को मिलता आराम

जमीन पर सोने से कंधे और कूल्हे में होने वाले दर्द से बहुत आराम मिलता है। इससे पीठ दर्द, कंधा और गर्दन की दर्द में राहत मिलती है।

पीठ दर्द में राहत

जो लोग जमीन पर सोते हैं उनका पोश्चर ठीक रहता है और कमर दर्द भी कम हो जाती है।

शरीर का टेंपरेचर होता है कम

जमीन पर सोने से शरीर का टेंपरेचर हो जाता है कम। वहीं बेड पर सोने से शरीर की गर्मी बढ़ जाती है। जिससे बॉडी का टेंपरेचर बढ़ने लगता है।

ब्लड सर्कुलेशन रहता है ठीक

जमीन पर सोने से ब्लड प्रेशर ठीक रहता है। जिसके कारण मांसपेशियों को आराम मिलता है और तनाव कम हो जाता है।

पत्तेदार हरी सब्जी धोने का सही तरीका

हरी सब्जी में ढेर सारे न्यूट्रिशन होते हैं। इसलिए पत्तेदार सब्जियों को डाइट में खासतौर पर शामिल करने की सलाह दी जाती है। पालक, मेथी, बथुआ, सरसों के पत्तों को सर्दियों में हर घर में खाया जाता है। लेकिन इसे पकाने से पहले तैयारी में काफी वक्त लगता है। सबसे ज्यादा समय इन पत्तेदार सब्जियों की सफाई के लिए जरूरी होता है। अगर इन पत्तेदार सब्जियों को आप जल्दीबाजी में धोकर पका देती हैं। तो जान लें इसे धोने का सही तरीका। जिससे कि ना केवल इसके सारे जरूरी न्यूट्रिश मौजूद रहें बल्कि इसमे मौजूद बैक्टीरिया और पेस्टिसाइड शरीर में ना जाए।

पत्तेदार सब्जियों के जड़ और तने को अलग कर दें

पत्तेदार सब्जियों को मार्केट से लाने के बाद जड़ और तने से अलग कर दें। जिससे आप पत्तियों को आसानी से धो पाएंगी और बेकार की गंदगी पहले ही अलग हो जाएगी।

ठंडे पानी से धोएं

सारी पत्तियों को अलग-अलग करके ठंडे पानी से धोएं। पानी में एक-एक पत्तियों को रगड़कर साफ कर लें। जिससे इन पर जमी मिट्टी हट जाए। हरे साग को धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल ना करें। इससे पत्तियां खराब हो जाएंगी।

फिटकरी या विनेगर में भिगोएं

हरे पत्तेदार सब्जियों को कुछ देर पानी और फिटकरी के सॉल्यूशन में भिगो दें। या फिर पानी और विनेगर के सॉल्यूशन में भिगोएं। इससे पत्तियों पर जमे पेस्टिसाइड आसानी से साफ हो जाएंगे।

अच्छी तरह से पानी सुखा दें

पत्तियों को धोने के पाद पानी को अच्छी तरह से सुखा दें। जिससे साग खराब ना हो और सारे पत्तों के पानी सूख जाएं। इस काम के लिए पेपर टॉवेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। फिर पेपर टॉवेल में ही पत्तों को लपेट कर रख दें।

पत्तेदार सब्जियों को ऐसे करें स्टोर

हरी पत्तेदार सब्जियों की फ्रेशनेस बरकरार रहे इसके लिए उन्हें साफ और सुखाकर किसी प्लास्टिक बैग में रखें। जिसमे हवा जाती रहे और ये फ्रेस बने रहें। या फिर पेपर टॉवेल में लपेटकर रखें।

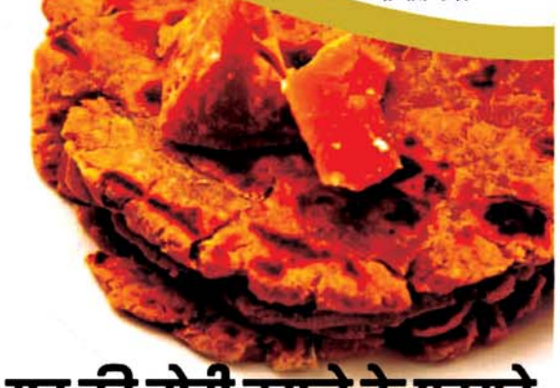

गुड़ की रोटी खाने के फायदे

इम्यूनिटी होगी बूस्ट

सर्दियों में इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए गुड़ खाएं। अगर रोटी के साथ गुड़ खाते हैं तो इससे बॉडी को कई बीमारियों और कई तरह के खराब बैक्टीरिया से बचाने में मदद मिलती है। नियमित तौर पर इसे खाने से इम्यूनिटी बूस्ट होती है।

कब्ज की समस्या होगी दूर

गुड़ में मौजूद पोषक तत्व कब्ज को दूर करने और पाचन तंत्र में सुधार करने में मदद करते हैं। ये आंत को हेल्दी रखने में भी मदद करता है। अगर आपको कब्ज और दूसरी पाचन संबंधी समस्या है तो छुटकारा पाने के लिए गुड़ की रोटी खाएं।

स्किन के लिए भी फायदेमंद

गुड़ की रोटी खाने से स्किन भी चमकदार रहती है। दरअसल, इसे खाने से शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स खत्म होते हैं, जो आपकी स्किन से संबंधित सभी समस्याएं को दूर करते हैं।

शुगर लेवर रहेगा कंट्रोल

ब्लड शुगर कंट्रोल करने में ये मददगार साबित हो सकता है। इसके अलावा यह आपकी हड्डियों को मजबूत कर सकता है। हालांकि, अच्छे रिजल्ट के लिए इसे नियमित तौर पर खाना होगा।

कैसे बनती है गुड़ की रोटी

गुड की रोटी बनाने के लिए आटे में पाउडर गुड़, घी और तिल को अच्छे से मिला लें। फिर इसका आटा गूंथ लें। अब इसे रोजाना की रोटी की तरह बेलकर सेक लें। रोटी पर घी लगाएं और गर्मा-गरम खाएं।

वरुण धवन और जान्हवी कपूर बनेंगे दिल टूटे आशिक

फिल्ममेकर करण जौहर अपनी अपकमिंग फिल्मों को लेकर हमेशा चर्चा में रहते हैं। उनके शोज को भी काफी पसंद किया जाता है। इतना ही नहीं, धर्मा प्रोडक्शन की फिल्में करने का सपना स्ट्रगल करने वाले स्टार्स खूब देखते हैं। इन दिनों उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का जिक्र चल रहा है। मेकर्स ने फैंस की एक्साइटमेंट डबल करने के लिए फिल्म का मोशन पोस्टर जारी किया है। आइए जानते हैं कि इसमें क्या कुछ देखने को मिला है? शांक खेतान की निर्देशित सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का मोशन पोस्टर लंबे इंतजार के बाद जारी किया जा चुका है और रिलीज होते ही इसने सोशल मीडिया पर लोगों का प्यार हासिल करना भी शुरू कर दिया है।

मोशन पोस्टर में क्या खास देखने को मिला?

वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की जोड़ी को इससे पहले बवाल फिल्म में भी पसंद किया गया था। अब दोनों सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के लिए साथ नजर आएंगे। फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है और इसे देखने के बाद पता चल गया है कि दोनों के बीच पहले प्यार होता है और बाद में कैसे दिल टूटता है और बीच में जो ट्विस्ट आते हैं, उसके इर्द-गिर्द यह अपकमिंग फिल्म घूमती नजर आएगी। मोशन पोस्टर की शुरुआत में वरुण धवन के अलग-अलग फोटो दिखाए गए, जिसमें कुछ में वह खुशी है, तो कुछ में चेहरे पर उदासी नजर आ रही है। वहीं, जाह्नवी कपूर की भी कुछ तस्वीरें पोस्टर में दिखाई गई, जिसमें उनके भी अलग-अलग मिजाज दिखाए गए हैं। इसकी टैगलाइन है कि 'दो दिल तोड़ने वाले और एक खतरनाक प्लान' कहती है, जो एक मजेदार सफर का माहौल बनाती है।

तान्या मित्तल का कंटेस्टेंटस संग हुआ झगड़ा

बिग बॉस टीवी का सबसे विवादित शो माना जाता है। यहां कंटेस्टेंट्स के बीच लड़ाई, रोमांस और ड्रामा सब देखने को मिलता है। इस बार भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। बिग बॉस का 19वां सीजन कल शुरू हो गया और पहले ही एपिसोड में बिग बॉस का घर अखाड़ा बन गया। बिग बॉस सीजन 19 के ग्रैंड प्रीमियर में ही पहले मृदुल तिवारी और शहबाज बडेशा के बीच झगड़ा हो गया। अब आने वाले एपिसोड में पहला एविक्शन होने वाला ह, जिसके चलते मृदुल और बशीर अली (Basheer Ali) समेत बाकी कंटेस्टेंट्स के बीच बहस शुरू हो गई। अब दो और के बीच लड़ाई हो गई है। यह कंटेस्टेंट्स हैं तान्या मित्तल (Tanya Mittal) और अशनूर कौर (Ashnoor Kaur) हैं। शो का नया प्रोमो सामने आया है, जिसमें उनके बीच अनबन की झलक दिखाई गई।

तान्या ने अशनूर के डिस्कशन में दखल दिया जिससे वह चिढ़ गईं। बिग बॉस 19 के नए प्रोमो में देखा जा सकता है कि नाराज तान्या घरवालों से अशनूर की शिकायत कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'भाई अशनूर मुझे बहुत ही बदतमीज लगी। बिना बात के मुझसे भिड़ रही है। मुझसे पंगा क्यों ले रही है, 10 साल छोटी है मुझसे। अभी आ जाऊंगी मैं अपने फॉर्म में।तान्या मित्तल की बात सुनने के बाद आवेज ने बताया कि वह बस कहना चाह रही थीं कि उन्हें एक मिनट बात करने दो। इस पर तान्या ने कहा, 'बहुत एटीट्यूड में वह चहकी है। मतलब एक टोन भी होता है ना। एक तो कोई आपकी हेल्प कर रहा है, आपका ड्यूटी पहले कर रहा है, आपको ग्रेटफुल होना चाहिए। वह आपके अंदर है ही नहीं।

सोहा अली खान ने बताया कैसी थी भाभी करीना से उनकी पहली मुलकात

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोहा अली खान और उनके भाई सैफ अली खान की पत्नी करीना कपूर खान के बीच का रिश्ता हमेशा से फैंस के लिए दिलचस्प रहा है। अक्सर दोनों को परिवारिक मौके और डिनर आउटिंग्स पर साथ देखा जाता है। हाल ही में सोहा ने करीना कपूर से पहली मुलाकात और उनके साथ रिश्ते के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि सैफ ने उनकी और करीना की उम्र में फर्क बताते हुए दोनों की पहचान करवाई थी। हाल में सोहा अली खान ने जूम के साथ बातचीत में करीना कपूर से अपने रिश्ते के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि वो गॉसिप नहीं करती बल्कि जरूरी बातें शेयर करती हैं। उन्होंने कहा, "वो सिर्फ गॉसिप का सोर्स नहीं हैं, बल्कि बहुत कुछ और हैं। उनके पास जो जानकारी है, वह बहुत कीमती है। अगर मुझे कुछ जानना हो, तो मैं आधी रात को भी उनसे पूछ सकती हूं। लेकिन वो बहुत समझदारी से बताती हैं, सिर्फ वही जो वह शेयर करना चाहती हैं। उनके बारे में बहुत कुछ शानदार है, जो सिर्फ गॉसिप से कहीं ज्यादा है।"करीना के साथ मुलाकात पर सोहा ने कहा, "मुझे बस याद है कि मेरे भाई ने कॉल किया और कहा कि उनकी गर्लफ्रेंड मुझसे दो साल छोटी हैं। उस समय मैं शूटिंग कर रही थी। मैंने सोचा, 'ठीक है, बढ़िया!'

रिएलिटी शो में नजर आएंगे अर्जुन बिजलानी

अमेजन एमएक्स प्लेयर पर बहुत जल्द एक नया रिएलिटी शो 'राइज एंड फॉल' शुरू होने वाला है। इस हाई-स्टेक्स शो का प्रोमो रिलीज हो गया है। प्रोमो में शो का कॉन्सेप्ट समझाया गया है, होस्ट की जानकारी दी गई है और कुछ कंटेस्टेंट्स से भी मिलवाया गया है। आइए आपको बताते हैं ये शो कब से शुरू होने वाला है। 'राइज एंड फॉल' एक बोल्ड सोशल एक्सपेरिमेंट है। 16 कंटेस्टेंट्स को दो अलग-अलग दुनियाओं में बांटा जाएगा। एक दुनिया होगी 'रूलर्स' की जो आलीशान पेंटहाउस में रहेंगे। दूसरी दुनिया होगी 'वर्कर्स' की जो बेसमेंट में साधारण जीवन बिताएंगे। गेम की सबसे दिलचस्प पार्ट ये है कि किसी भी वक्त सत्ता बदल सकती है यानी कोई भी ऊपर से नीचे या नीचे से ऊपर जा सकता है। कैसे? ये जानने के लिए शो देखना पड़ेगा। 'राइज एंड फॉल' 6 सितंबर 2025 से स्ट्रीम होगा और 42 दिनों तक हर दिन नया एपिसोड मुफ्त में अमेजन एमएक्स प्लेयर पर आएगा। इसे मोबाइल, स्मार्ट टीवी, अमेजन शॉपिंग ऐप, प्राइम वीडियो, Fire TV या एयरटेल एक्सट्रीम पर कहीं भी देखा जा सकता है। शो को होस्ट एंटरप्रेन्योर और 'शार्क टैंक इंडिया' के एक्स जज अशनीर ग्रोवर कर रहे हैं। प्रोमो के मुताबिक, शो में अर्जुन बिजलानी (टीवी एक्टर), धनश्री वर्मा (डांसर-इन्फ्लुएंसर), किकू शारदा (कॉमेडियन) और कुब्रा सैत (एक्ट्रेस) नजर आएंगे। अन्य कंटेस्टेंट्स के नाम सामने नहीं आए हैं।

तमन्ना भाटिया और डायना पेंटी मचाएंगी धमाचौकड़ी

दो पक्की सहेलियां, अल्कोहल बिजनस का स्टार्टअप और इस चक्कर ढेर सारे मजेदार ट्विस्ट और टर्न। कॉमेडी-ड्रामा कहानियों के शौकीन दर्शकों के लिए OTT पर एक दिलचस्प वेब सीरीज आ रही है, जिसका नाम है 'डू यू वाना पार्टनर' और इसमें तमन्ना भाटिया-डायना पेंटी लीड रोल में हैं। धर्मांटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस सीरीज को करण जौहर के साथ आदर पूनावाला और अपूर्व मेहता ने प्रोड्यूस किया है। शोमेन मिश्रा और अर्चित कुमार इसके एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर है। कॉलिन डी'कुन्हा के डायरेक्शन में बनी इस वेब सीरीज की कहानी नंदिनी गुप्ता, आर्ष वोरा और मिथुन गंगोपाध्याय ने लिखी है। क्रिएटर मिथुन गंगोपाध्याय और निशांत नायक हैं। यह एक नए दौर की मजेदार और अनोखी कॉमेडी-ड्रामा है, जिसके केंद्र में दो जिंदादिल जिगरी सहेलिया हैं। शिखा (तमन्ना भाटिया) और अनाहिता (डायना पेंटी), दोनों दोस्त अपना खुद का अल्कोहल स्टार्ट-अप शुरू करने का फैसला करती हैं। शहरी जीवन की चहल-पहल और पुरुषों की इस दुनिया में ये दोनों क्राफ्ट बीयर का बिजनस शुरू करती हैं। परंपराओं को चुनौती देते हुए, नियमों को तोड़ते हुए और अजीबोगरीब हालात से जूझते हुए, वे जुगाड़, जज्बे और स्टाइल के साथ अपनी किस्मत लिखती हैं। मेकर्स का कहना है कि 'डू यू वाना पार्टनर' महिलाओं की महत्वाकांक्षा और आत्मनिर्भरता पर दिल को छू लेने वाली कहानी है। इसमें तमन्ना भाटिया और डायना पेंटी के अलावा जावेद जाफरी, नकुल मेहता, नीरज काबी, श्वेता तिवारी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंघा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'डू यू वाना पार्टनर' Prime Video पर रिलीज होगी। इसका प्रीमियर 12 सितंबर 2025 को भारत सहित दुनिया के 240 से अधिक देशों में किया जाएगा। इसे देखने के लिए प्राइम मेंबरशपि का होना अनिवार्य होगा। 'प्राइम वीडियो इंडिया' के डायरेक्टर और ओरिजिनल्स के हेड, निखिल मधोक कहते हैं, 'प्राइम वीडियो में हमारी कोशिश है कि हम दुनियाभर के अपने दर्शकों के लिए रोचक, नई और अनोखी कहानियां लेकर आएं। 'डू यू वाना पार्टनर' दोस्ती और जज़्बे की कहानी है। ये दिल को छू लेने वाली और कॉमेडी से भरपूर वेब सीरीज है।' 'डू यू वाना पार्टनर' के निर्माता, करण जौहर ने कहा, 'यह सीरीज नई पीढ़ी के एंटरप्रेन्योर्स के जज्बे, उनके जज्बात और संघर्ष को दिखाती है।

शादी के दो साल बाद मां बनने वाली हैं परिणीति चोपड़ा

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा के घर जल्द ही खुशियां आने वाली हैं। शादी के करीब दो साल बाद परिणीति मां बनने वाली हैं। परिणीति और राघव ने अपनी प्रेगनेंसी की खबर फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की। इस खबर के सामने आते ही फैंस और स्टार्स के बधाई संदेश आने शुरू हो गए हैं। परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक कुछ ही देर पहले एक तस्वीर और एक वीडियो शेयर कर अपने चाहने वालों के साथ बच्चे के आने की खबर शेयर की है। कपल ने एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें 1+1=3 लिखा है। इसके साथ ही बच्चे के पैरों के निशान बने हैं। साथ ही एक वीडियो भी शेयर किया,जिसमें परिणीति और राघव एक खूबसूरत गार्डन में हाथ थामे वॉक करते दिख रहे हैं। दोनों एक-दूसरे से बात करते और इस पल को एंजॉय करते नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट को शेयर करने के साथ ही परिणीति ने कैप्शन में लिखा, 'हमारा छोटा ब्रह्मांड... अपने रास्ते पर है', परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस पर कमेंट कर यूजर्स ही नहीं स्टार्स भी कपल को ढेर सारी बधाई दे रहे हैं। इस पोस्ट पर सोनम कपूर, हुमा कुरैशी, टीना दत्ता, निम्रत कौर और भूमि पेडनेकर सहित कई स्टार्स ने उन्हें बधाई दी है। बता दें कि परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने 24 सितंबर, 2023 को शादी की थी। इनकी शादी काफी सुर्खियों में रही थी।

यूजर्स बोले- ओरिजिनल से बेहतर

अनीत पड्डा ने पिता के साथ 'सैयारा' का टाइटल ट्रैक गाकर फैंस को किया हैरान

आहान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर फिल्म सैयारा को ऑडियंस से जबरदस्त रिएक्शन मिला है। दोनों रातोंरात स्टार बन गए। दोनों की शानदार परफॉरमेंस ने ऑडियंस का दिल जीत लिया। बॉक्स ऑफिस पर कई हफ्तों तक करोड़ों का कलेक्शन करने के बाद फिल्म की कमाई की रफ्तार बेशक धीमी पड़ गई हो लेकिन एक्टर्स केलिए फैन की दीवानगी बढ़ती जा रही है। अब अपने इन्हीं फैंस को सरप्राइज देते हुए अनीत पड्डा ने अपना सिंगिंग वीडियो शेयर किया है। अनीत की आवाज सुन फैंस उन्हें शानदार सिंगर बता रहे हैं। रविवार रात अनीत ने अपने फैंस के लिए एक खास वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में उन्हें गिटार हाथ में लिए अपने पिता के साथ मिलकर फिल्म सैयारा के टाइटल सॉन्ग को गाते देखा जा सकता है। वीडियो में उनके पिता भी साथ गुनगुनाते हैं, बेटी का हौसला बढ़ाते देखे जा सकते हैं। अनीत के सिंगिंग टैलेंट और प्यारी आवाज सुनकर सोशल मीडिया यूजर्स इम्प्रेस हो गए हैं। एक यूजर ने अनीत का ये गाना सुनने के बाद लिखा, खूबसूरत चेहरा, एक्टिंग के साथ आवाज भी शानदार है, एक अन्य यूजर ने लिखा, ओरिजिनल से भी बेहतर है, एक यूजर ने लिखा, तुम्हारी आवाज में एक अलग सी ईमानदारी है, एक यूजर ने लिखा, पहली बार एक प्यारी आवाज वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस को देख रही हूं, अन्य यूजर ने लिखा, 'ये कितनी प्यारी है, सिंपल', दूसरे यूजर ने लिखा, चेहरे और एक्टिंग के बाद आवाज के भी दीवाने हो गए।'

श्रद्धा कपूर का LinkedIn अकाउंट 1 घंटे में री-स्टोर

बॉलीवुड की बेहद हसीन और दमदार एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के साथ थोड़ा अजीब, लेकिन मजेदार वाकया हुआ है। 'स्त्री 2' फेम एक्ट्रेस का लिंक्डइन प्रीमियम अकाउंट गायब हो गया! दिलचस्प बात यह है कि श्रद्धा ने जहां अपना ही अकाउंट इस्तेमाल नहीं कर पाने को लेकर प्रोफेशनल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से गुहार लगाई है, वहीं लिंक्डइन ने एक घंटे के भीतर इसे री-स्टोर कर दिया। अब फैंस इस पर मौज ले रहे हैं। शक्ति कपूर की बेटी श्रद्धा कपूर 38 साल की हैं। वैसे, उनके अकाउंट के साथ यह हेराफेरी 'फेक' के चक्कर में हुआ है। असल में बीते कुछ दिनों से श्रद्धा का लिंक्डइन अकाउंट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। ऐसे में बहुत से यूजर्स ने दावा किया कि यह फेक है। लगे हाथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने भी एक्शन लेते हुए अकाउंट को ब्लॉक कर दिया। फिर श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर इस बाबत अपील की थी। श्रद्धा कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अब खबर दी है कि उनका अकाउंट अपील किए जाने के 1 घंटे के भीतर री-स्टोर हो गया है। एक्ट्रेस ने इससे पहले इस बाबत एक नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा था, 'डियर @linkedin_in, मैं अपना अकाउंट इस्तेमाल नहीं कर पा रही हूं, क्योंकि लिंक्डइन को लगता है कि यह फर्जी है। क्या कोई मेरी मदद कर सकता है? अकाउंट बना हुआ है, प्रीमियम और वेरिफाइड है, लेकिन अब कोई इसे नहीं देख पा रहा।' श्रद्धा ने आगे लिखा था, 'मैं अपनी एंटरप्रेन्योर की यात्रा को इस पर शेयर करना चाहती हूं, पर लगता है अकाउंट बनाना मेरे लिए अपने आप में एक यात्रा बन गई है।'

तनीष्ठा चटर्जी को हुआ स्टेज 4 का कैंसर

बोलीं- 70 साल की मां और 9 साल की बेटी मेरे पर निर्भर हैं

भारतीय सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस तनीष्ठा चटर्जी अपने जीवन के मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया कि पिछले 8 महीने उनके लिए बहुत कठिनाई भरे रहे हैं। इन 8 महीनों में उन्होंने कैंसर की वजह से अपने पिता को खो दिया। इतना ही नहीं, उन्हें भी स्टेज 4 का ऑलिगो मेटास्टेटिक कैंसर डिटेक्ट हुआ है। सराहनीय बात ये है कि उन्होंने इस पोस्ट में दर्द की जगह प्यार और ताकत की बात की है। उन्होंने लिखा, "पिछले आठ महीने मेरे लिए बेहद कठिन रहे हैं। मैंने कैंसर की वजह से अपने पिता को खो दिया, आठ महीने पहले मुझे खुद स्टेज 4 ऑलिगो मेटास्टेटिक कैंसर का पता चला। लेकिन यह पोस्ट दर्द की नहीं, प्यार और ताकत की बात करने के लिए है।"एक्ट्रेस ने आगे कहा, "मेरी 70 साल की मां और 9 साल की बेटी, दोनों पूरी तरह मेरे पर निर्भर हैं। लेकिन इस अंधेरे में भी मुझे मिला, ऐसा प्यार जो हमेशा साथ रहता है, आपको अकेला महसूस नहीं होने देता। यह प्यार मुझे मेरे दोस्तों और परिवार से मिला, जिनके सपोर्ट ने सबसे मुश्किल दिनों में भी मुझे हंसने पर मजबूर किया।"एक्ट्रेस ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, "जब दुनिया AI और रोबोट की तरफ तेजी से बढ़ रही है तब असली, संवेदनशील इंसानों की करुणा ही मुझे ठीक कर रही है। उनका प्यार, उनकी मौजूदगी, उनकी मानवता ही मेरी जिंदगी को फिर से जीवंत कर रही है। ये पोस्ट उन महिला मित्रताओं के लिए है जिन्होंने मेरे लिए जबरदस्त प्यार, गहरी सहानुभूति और अजेय ताकत दिखाई। आप सब जानते हैं कि आप कौन हैं और मैं आपकी आभारी रहूंगी।"

खबर-खास

एसबीआई कार्ड और फ्लिपकार्ट ने साथ मिलकर एक महत्वपूर्ण साझेदारी की; फ्लिपकार्ट एसबीआई को-ब्रांडेड क्रक्रेडिट कार्ड को लॉन्च किया

नई दिल्ली / बेंगलुरु: भारत में क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली सबसे बड़ी कंपनी, एसबीआई कार्ड ने भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस, फ्लिपकार्ट के साथ मिलकर 'फ्लिपकार्ट एसबीआई क्रेडिट कार्ड' के लॉन्च की घोषणा की। ये इस तरह का पहला और अनोखा को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड है, जिसे भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के अध्यक्ष, श्री चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी और एसबीआई के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री अश्विनी कुमार तिवारी की मौजूदगी में लॉन्च किया गया। फ्लिपकार्ट एसबीआई कार्ड को बड़ी ही सावधानी से कैशबैक के फ़ायदों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है, ताकि ग्राहकों को उनकी ज़्यादातर ख़रीदारी पर एक बेहतरीन अनुभव मिल सके। इस लॉन्च से जाहिर होता है कि, एसबीआई कार्ड और फ्लिपकार्ट ग्राहकों को ज़्यादा फ़ायदा, सुविधा और क्रेडिट की सुविधा देकर उनके ख़रीदारी के सफ़र को और बेहतर बनाने की कोशिश में लगातार जुटे हैं। ग्राहक फ्लिपकार्ट ऐप और एसबीआई कार्ड स्प्रिंट के ज़रिए, या फिर एसबीआई कार्ड की वेबसाइट SBI Card.com पर जाकर डिजिटल तरीके से इस क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। फ्लिपकार्ट एसबीआई कार्ड के ज़रिए मिंत्रा पर ख़रीदारी करने वाले ग्राहक 7.5% कैशबैक, जबकि फ्लिपकार्ट, शॉप्सी और क्लियरट्रिप पर ख़रीदारी करने वाले ग्राहक 5% कैशबैक का लाभ उठा सकते हैं। ग्राहक इस आकर्षक प्रस्ताव का फ़ायदा उठाकर फ्लिपकार्ट पर कई तरह के प्रोडक्ट्स एवं सेवाओं की ख़रीदारी कर सकते हैं, जिसमें मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रोसरी, फैशन, फ़र्नीचर, अप्लायंसेस, होम फ़र्निशिंग, और ट्रैवल बुकिंग के अलावा बहुत कुछ शामिल हैं। इतना ही नहीं, ग्राहकों को ज़ोमैटो, उबर, नेटमेड्स और पीवीआर जैसे चुनिंदा ब्रांड पर खर्च करने पर 4% का कैशबैक मिलेगा, जबकि कैशबैक के योग्य अन्य सभी खर्चों पर 1% का अनलिमिटेड कैशबैक दिया जाएगा। फ्लिपकार्ट एसबीआई कार्ड में कैशबैक की ऑटो-क्रेडिट सुविधा उपलब्ध है, जिसके तहत स्टेटमेंट जनरेट होने के सिर्फ़ दो दिनों के अंदर ही कैशबैक की रकम आपके एसबीआई कार्ड अकाउंट में अपने आप जमा हो जाती है, और ग्राहकों के लिए ये प्रक्रिया बहुत आसान बन जाती है।

बायर ने कैमलस की लॉन्चिंग का एलान किया

रायपुर। कृषि एवं हेल्थकेयर सेक्टर से संबंधित लाइफ साइंस के क्षेत्र में विशेषज्ञता वाली वैश्विक कंपनी बायर ने कैमलस की लॉन्चिंग का एलान किया है। यह एक अनूठा पेस्ट स्पेक्ट्रम कीटनाशक है, जिसे विशेष रूप से भारत के बागवानी किसानों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। चबाने और चूसने वाले कीटों (च्यूइंग एंड सकिंग पेस्ट) को नियंत्रित करने के लिए अनूठे पेस्ट स्पेक्ट्रम कंट्रोल के साथ यह दोहरे एक्शन में काम करता है, जो कि बागवानी फसलों की खेती के लिए जरूरी है। इस लॉन्चिंग के मौके पर भारत, बांग्लादेश एवं श्रीलंका के बायर के क्रॉप साइंस डिवीजन के क्लस्टर कॉमर्शियल लीड मोहन बाबू ने कहा, 'भारत में पोषण की जरूरतों को पूरा करने में सब्जियों की महत्वपूर्ण भूमिका है और वैश्विक निर्यात में देश की स्थिति को मजबूत करने की क्षमता भी इसमें है। जैसे-जैसे सब्जियों की खपत बढ़ रही है, उत्पादकता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। बायर में हम अपने इनोवेटिव एवं सस्टेनेबल सॉल्यूशंस के माध्यम से भारतीय किसानों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कैमलस के साथ हमने एक नेक्स्ट-जनरेशन इंसेक्टिसाइड तैयार किया है, जिससे न केवल कीट प्रबंधन को मजबूती मिलेगी, बल्कि इससे भारत एवं विश्व के लिए सब्जियों की दृढ़ एवं उच्च गुणवत्ता वाली वैल्यू चेन तैयार करने में भी मदद मिलेगी।'

इंतज़ार ख़त्म: भारत का आइकॉनिक फैंटेसी सागा 'नागिन' अपने सीजन 7 के साथ लौट रहा है कलर्स पर

दो साल का इंतज़ार। अनगिनत फैन थ्योरीज़। बेहिसाब अटकलें। और अब, वह पल आखिरकार आ गया है! कलर्स और एकता कपूर का बालाजी टेलीफिल्म्स फिर से एकजुट होकर लेकर आ रहे हैं वह सर्पिणी गाथा जिसने भारतीय टेलीविज़न पर फैंटेसी की परिभाषा ही बदल दी — 'नागिन'। इसका बहुप्रतीक्षित टीज़र बिग बॉस 19 के लॉन्च पर प्रदर्शित होगा, जो इस अलौकिक थ्रिलर के एक दशक के मनोरंजन में एक नए अध्याय की नींव रखेगा। 2015 में अपने पदार्पण से ही 'नागिन' ने भारतीय प्राइमटाइम टेलीविज़न की तस्वीर ही बदल दी, यह साबित करते हुए कि फैंटेसी सिर्फ़ कल्पना नहीं, बल्कि दर्शकों के दिलों और टीआरपी चार्ट्स पर भी राज कर सकती है। हर सीज़न में नागिन ने अपने आकर्षण, शक्ति और संघर्षों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है और कल्पना की सीमाओं को आगे बढ़ाया है।

प्रथम छग खो-खो लीग प्रतियोगिता के पुरूष वर्ग में ड्रीम पैंथर्स तो महिला वर्ग में अग्नि एंजल ने जीती ट्रॉफी

कवर्धा (समय दर्शन)। आध्यात्मिक नगर कवर्धा में प्रथम छत्तीसगढ़ खो-खो लीग प्रतियोगिता 2025 का शानदार तीन दिवसीय 24 अगस्त को हुआ। समापन समारोह इंडोर स्टेडियम में हुआ। मुख्य अतिथि चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी अध्यक्ष नगर पालिका कवर्धा, अध्यक्षता कमल जीत अरोरा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ खो-खो संघ एवम विशिष्ट अतिथि के रूप में रामकुमार भट्ट सभापति जिला पंचायत, सतविंदर पाहूजा शहर अध्यक्ष, डॉ आनंद मिश्र जनपद सदस्य, नरेंद्र मानिकपुरी, अजय सिंग, तरुण शुक्ला महासचिव छत्तीसगढ़ खो-खो संघ, दीपक, गणेश यादव पार्षद, देवेंद्र गुप्ता अध्यक्ष खो-खो संघ की गरिमामय उपस्थिति रही।

छत्तीसगढ़ खो-खो लीग में पुरूष वर्ग प्रथम ड्रीम पेंथर्स, द्वितीय रॉयल किंग, तृतीय कल्कि फ्रेंस, चतुर्थ स्थान शैडो स्ट्राइकर ने प्राप्त किया। महिला वर्ग में प्रथम अग्नि एंजल, द्वितीय धाकड़ वॉरियर, तृतीय डेंजर डॉल्फिन, चतुर्थ स्थान आयरन क्वीन ने प्राप्त किया। बेस्ट डिफेंडर रामेश्वर व उर्मिला, बेस्ट अटेकर राकेश व कुशुम, बेस्ट ऑलराउंडर अंकुश व झमिता ने प्राप्त किया। ओवर ऑल बेस्ट प्लेयर मनीषा ठाकुर को मिला, जबकि बेस्ट वजीर राहुल व उमा ने प्राप्त किया। विजेता टीम को सात हजार रुपए नगद, ट्रॉफी, गोल्ड मैडल, उपविजेता टीम को पाँच हजार रुपए नगद ट्रॉफी, सिल्वर मैडल तीसरे और चौथे

स्थान प्राप्त करने वाली टीम को तीन हजार रुपए नगद, ट्रॉफी, ब्रान्स मैडल देकर, पुरुस्कृत किया गया। सभी विजेताओं को ट्रॉफी डॉ आनंद मिश्रा के सौजन्य से दिया गया। सभी अतिथियों को छत्तीसगढ़ खो खो संघ के अध्यक्ष कमलजीत अरोरा और महासचिव तरुण शुक्ला ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

छत्तीसगढ़ खो खो संघ के महासचिव तरुण शुक्ला ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए आवास, भोजन, मैदान, पुरुस्कार सभी की व्यवस्था में शानदार सहयोग के लिए कबीरधाम जिला खो-खो के प्रति आभार व्यक्त किया एवं अतिथियों से राजनादगांव में, खो-खो के इंडोर, स्टेडियम की मांग की ताकि बच्चों को बेहतर सुविधा के साथ प्रदर्शन के लिए तैयार किया जा सके। समापन समारोह में आभार प्रदर्शन एवं धन्यवाद ज्ञापन देवेंद्र गुप्ता अध्यक्ष जिला खो-खो संघ कबीरधाम एवम संचालन अवधेश श्रीवास्तव ने अपने चिर परिचित अंदाज में प्रभावी ढंग से किया। खो-खो संघ के मोहन धुवे, भरत कोटेलकर, फ़िरोज रहमान, जफ़र सिद्धिकी, उमेश निर्मलकर, भुनेश्वर साहू,, मुरली रेड्डी, विक्रांत शुकल, समीर शुक्ल, रवि सिंह, नारद साहू, चंद्रप्रकाश साहू, हरीश कुमार, रामदास, वीरेन्द्र यादव, राजमन कोर्राम, प्रीति पटेल, समृद्धि यादव, अंकुश सिंह, नरेश यादव, भारती मसराम, मीना ध्रुव, आदि ने प्रतियोगिता के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने वर्चुअल संबोधित किया- जिला खो-खो संघ के सचिव राजर्षि पांडेय ने बताया कि समापन समारोह को विजय शर्मा उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन ने वर्चुअल रूप से संबोधित किया और प्रतिभागियों एवं आयोजन समिति का उत्साहवर्धन किया। सचिन डोंगरे प्रमोटर ने बताया कि छग की प्रथम खो-खो लीग प्रतियोगिता 2025 की मेजबानी का सौभाग्य कबीरधाम को प्राप्त हुआ, जिसमें 22 जिलो से 8 टीमो का गठन कर खो-खो लीग कराया गया। प्रतियोगिता में लगभग 170 प्रतिभागी, 30 आफिशियल, 24 कोच, मैनेजर, सहायक कोच ने भाग लिया। छत्तीसगढ़ खो खो लीग में कुल 26 मैच हुआ। सभी काँटेदार मुकाबला हुआ, जिसमें रोमांच, जोश, और संघर्ष, भरा हुआ था।

लर्निंग आउटकम्स और 21वीं सदी का कौशल पर डीपीएस में शिक्षक प्रशिक्षण

कवर्धा। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, भुवनेश्वर के तत्वावधान में लर्निंग आउटकम्स एवं पेडागॉजी विषय पर एक दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का सफल आयोजन 24 अगस्त 2025 को दिल्ली पब्लिक स्कूल महाराजपुर (कवर्धा, छत्तीसगढ़) में किया गया। इस प्रशिक्षण में सनराइज पब्लिक स्कूल, एम्बिशन पब्लिक स्कूल, प्रेरणा पब्लिक स्कूल तथा दिल्ली पब्लिक स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक खंडेलवाल (एकेडमिक डायरेक्टर, डॉ. जे.बी. सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, राजनांदगांव) एवं आशीष तिवारी (एच.ओ.डी. गणित, अभ्युदय स्कूल, कवर्धा) ने किया।

कार्यक्रम में लर्निंग आउटकम्स का महत्व, आवश्यकता तथा शिक्षा में बदलाव की अनिवार्यता पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही चिन्ड्रन विथ स्पेशल नीड्स के लिए उपयुक्त लर्निंग आउटकम्स का निर्माण, उनका व्यवहारिक उपयोग, ब्लूम टैक्सोनॉमी के विभिन्न स्तरों के आधार पर अधिगम उद्देश्यों की स्पष्टता, लर्निंग

आउटकम्स की विशेषताएँ एवं सही तरीके से उन्हें प्रेम करने की तकनीक, मूल्यांकन का उद्देश्य एवं आउटकम्स के साथ उसका संरेखण, रूब्रिक्स के प्रयोग द्वारा निष्पक्ष मूल्यांकन के महत्व तथा 21वीं सदी के कौशल जैसे क्रिटिकल थिंकिंग, क्रिएटिविटी, कोलैबोरेशन और कम्युनिकेशन पर भी गहन विमर्श हुआ।

हैंडआउट गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों ने स्वयं लर्निंग आउटकम्स तैयार कर मंच पर प्रस्तुत किए और मूल्यांकन से जुड़ी नवाचारी रणनीतियाँ साझा कीं, जिससे सभी प्रतिभागियों के बीच विचार-विनिमय और सीखने की प्रक्रिया और अधिक प्रभावी बनी।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, स्पष्ट अधिगम लक्ष्यों, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए उपयुक्त रणनीतियों, 21वीं सदी के कौशल एवं पारदर्शी मूल्यांकन तकनीकों से सशक्त बनाना था, ताकि छात्रों में दक्षता-आधारित शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सके और सीखने के परिणामों में सुधार हो। दिल्ली पब्लिक स्कूल, महाराजपुर की प्राचार्या ग्रेसिया एन फ्रीग्रेड ने कहा यह प्रशिक्षण अत्यंत इंटरेस्टिंग और लाभकारी रहा। इस प्रकार के कार्यक्रम शिक्षकों को नई सोच और बेहतर पद्धतियों को अपनाने की प्रेरणा देते हैं, जो सीधे विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को उन्नत करते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने सीबीएसई और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भुवनेश्वर के प्रति आभार व्यक्त किया।

40 वर्ष के सेवा में पहली बार सम्मान पाकर कोटवारों में दिखी खुशी,बिर्रा टीआई कि पहल

40 वर्ष के कोटवारी सेवा में पहली बार बिर्रा थाना में सम्मान पाकर चोरहादेवरी के कोटवार छत्तुदास में खुशी नजर आई

बिर्रा थाना प्रभारी जयकुमार साहू के नेतृत्व में कोटवार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें बिर्रा थाना क्षेत्र के कोटवारों का श्रीफल, शाल, शील्ड देकर सम्मान किया गया। वही 40 वर्ष कि कोटवारी करने वाले छत्तुदास ने बताया कि यह पहला मौका हैं जब थाना में उन्हें सम्मान मिला,सम्मान पाकर हमें बहुत खुशी हुई। वहीं थाना प्रभारी जयकुमार साहू ने ग्राम कोटवारों को संबोधित करते हुए उनके कर्तव्यों की विस्तृत जानकारी दी और ग्राम सुरक्षा में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि गांव की गतिविधियों पर सतत नजर रखना, किसी भी घटना की सूचना तत्काल थाना प्रभारी को देना और प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करना कोटवारों का दायित्व है। कोटवारों में नई ऊर्जा का संचार करते हुए उन्हें जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

वन विभाग ने सिल्हाटी में अवैध काष्ठ जप्त किया

कवर्धा। सहसपुर लोहारा ब्लॉक के ग्राम पंचायत सिल्हाटी स्थित अशोक सा मिल में उप वनमंडल अधिकारी के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने औंचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सा मिल परिसर से अवैध रूप से संग्रहित काष्ठ बरामद किया गया। काष्ठ संबंधी लेखा-जोखा की जांच में भी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। इस पर सा मिल संचालक अशोक जायसवाल के विरुद्ध छत्तीसगढ़ काष्ठ चिरान अधिनियम 1984 के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध काष्ठ जप्त कर लिया गया। विभाग ने इस संबंध में पीओआर प्रकरण क्रमांक 20793/05 दिनांक 23 अगस्त 2025 दर्ज किया है।

सेल्विन ट्रेडर्स लिमिटेड ने शिवम कॉन्ट्रैक्टिंग इंक. यूएसए ने 6 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक के निवेश पर सहमति जताई

अहमदाबाद: सेल्विन ट्रेडर्स लिमिटेड (बीएसई - 538875)ने स्ट्रेटेजिक इक्विटी लिंक्ड पार्टनरशिप बनाने के लिए अमेरिकी निगमित कोर्पोरेशन शिवम कॉन्ट्रैक्टिंग इंक. (एससीआई) के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एमओयू के तहत, एसटीएल ने संयुक्त राज्य अमेरिका में एससीई की चल रही और भविष्य की परियोजनाओं में भाग लेने के लिए 6 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 52 करोड़ रुपये) तक का निवेश करने पर सैद्धांतिक रूप से सहमति व्यक्त की है। दोनों पक्षों के बीच हुए समझौता ज्ञापन की शर्तों के तहत, सेल्विन ट्रेडर्स लिमिटेड शिवम कॉन्ट्रैक्टिंग इंक. में 60 प्रतिशत तक इक्विटी हिस्सेदारी हासिल कर सकता है। एक्सिसिझन कंसिडरेशन सेल्विन ट्रेडर्स लिमिटेड द्वारा सहमत दर पर शेयर जारी करके किया जाएगा, जो 18 रुपये प्रति शेयर से कम नहीं होगा। इस सौदे के लिए एससीआई का उचित मूल्यांकन 31 दिसंबर, 2025 को किया जाएगा। यह समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर की तिथि से 12 महीने के लिए वैध होगा। शिवम कॉन्ट्रैक्टिंग इंक. एक अमेरिकी कोन्ट्राक्टिंग कंपनी है जो संयुक्त राज्य अमेरिका में कंस्ट्रक्शन और ईन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का कार्य करती है। शिवम कॉन्ट्रैक्टिंग इंक. प्रत्येक चरण के दो वर्षों के भीतर भारत में निवेशित धनराशि वापस करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें न्यूनतम 7 प्रतिशत प्रति वर्ष की गारंटीकृत वापसी शामिल है - जिसे एसटीएल शेयरधारकों के लिए आकर्षक जोखिम-समायोजित रिटर्न सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। समझौते के अनुसार, सेल्विन 30 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 26 करोड़ रुपये) तक का निवेश कर सकता है, जिससे पूंजी निवेश और साझेदारी विकास के लिए चरणबद्ध, संतुलित दृष्टिकोण के साथ रणनीतिक गठबंधनों के माध्यम से वैश्विक विस्तार के अपने दृष्टिकोण को बल मिलेगा। इस निर्णायक निवेश के कार्यान्वयन के लिए भारत में आरबीआई, सेबी, बीएसई, फेमा और एमसीए सहित प्रमुख नियामकों के साथ-साथ अमेरिका में प्रासंगिक कॉर्पोरेट और नियामक अनुमोदन की आवश्यकता होगी। इस डेवलोपमेन्ट पर टिप्पणी करते हुए, सेल्विन ट्रेडर्स लिमिटेड के निदेशक, श्री मोनिल वोरा ने कहा, हम एक परिवर्तनकारी वैश्विक साझेदारी शुरू करने के लिए उत्साहित हैं, जो हमारे विकास-केंद्रित दृष्टिकोण की पुष्टि करती है।

जनता के सहयोग और समर्थन से समृद्ध पंडरिया का संकल्प होगा पूरा-भावना बोहरा

जन्मदिन पर ढेरों बधाई व शुभकामनाओं के लिए भावना बोहरा ने जताया आभार

कवर्धा। पंडरिया की लोकप्रिय विधायक भावना बोहरा के जन्मदिन 24 अगस्त को भाजपा पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं समर्थकों एवं क्षेत्रवासियों ने बड़ी संख्या में रणवीरपुर पहुंचकर उन्हें ढेरों बधाई व शुभकामनाएं दी और भव्य रूप से जन्मदिन की खुशियों में शामिल हुए। इस दौरान सुबह से ही बधाई देने के लिए लोगो तांता लगा रहा। भावना बोहरा ने सभी लोगों की शुभकामनाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

विधायक भावना बोहरा ने कवर्धा निवास परिसर में हरीतिमा ग्रुप के सदस्यों और स्काउट गाइड के छात्र-छात्राओं के साथ पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प किया। उन्होंने कवर्धा में महामाया मंदिर और खेड़ापति हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि की कामना की और वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को फ्रूट वितरित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

जन्मदिन पर ग्राम सेमरहा के बच्चे भी पहुंचे और पंडरिया विधायक भावना बोहरा के साथ केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया। इसके साथ ही पूरे पंडरिया विधानसभा में भावना के जन्मदिन की धूम रही। कबीरधाम जिला भाजपा कार्यालय, उड़िया कला सहसपुर लोहारा में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासियों ने उनका जन्मदिन मनाया और सिल्हाटी चौक, सिंगारपुर,

रंजीतपुर एवं जमुनिया में भी जन्मदिन पर भव्य स्वागत किया गया। रणवीरपुर में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध भजन गायक एवं गीतकार पंडित विवेक शर्मा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया जहां हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों ने भावना बोहरा को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

भावना बोहरा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पंडरिया विधानसभा की जनता और पार्टी के कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ताओं द्वारा प्राप्त स्नेह और आशीर्वाद मेरे लिए बहुमूल्य उपहार है। आप सभी का यह स्नेह, आशीर्वाद, सहयोग और विश्वास ही मेरी ऊर्जा है, जो आपकी सेवा और अपने कर्तव्यों एवं संकल्पों को पूरा करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान करती है। जनसेवा, विकास और जनसुविधाओं का विस्तार ही मेरी प्राथमिकता और लक्ष्य है। मुझे विश्वास है कि जीवन के हर पथ में आप सभी का मार्गदर्शन, सहयोग एवं आशीर्वाद मुझे प्राप्त होता रहेगा। आप सभी के इसी आशीर्वाद से हम मिलकर समृद्ध और विकसित पंडरिया के संकल्प को जरूर पूरा करेंगे।

आपकी सेवा के लिए हर दिन कुछ बेहतर करती रहूं- आज मैं जिस मुकाम पर हूँ वह आप सभी मेरे परिवारजनों के सहयोग व आशीर्वाद से हूँ और हमेशा मेरा यही प्रयास रहा है कि आप सभी के हर सुख-दुख में साथ रहूं और पंडरिया विधानसभा के विकास तथा आपकी सेवा के लिए हर दिन कुछ बेहतर करती रहूं। विगत वर्षों में आप सभी के समर्थन और मार्गदर्शन में हमने जो भी प्रयास किया है चाहे वह बेटियों की शिक्षा के लिए नि:शुल्क बस सेवा, आप सभी के बेहतर स्वास्थ्य के लिए नि:शुल्क एम्बुलेंस सेवा एवं मोबाइल हेल्थ पैथ लैब, युवाओं के लिए नि:शुल्क कोचिंग सेंटर, महिलाओं के सशक्तिकरण, विकास कार्यों एवं अधोसंरचना निर्माण के लिए 300 करोड़ रुपए से अधिक राशि की स्वीकृति, विधानसभा में क्षेत्र व प्रदेश से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को उठाना हो या फिर जनता की सुविधा के लिए जनसेवा ही भावना सेवा सुविधा केंद्र की स्थापना हो, मैनें हमेशा ही अपने कर्तव्यों और एक जनप्रतिनिधि के रूप में अपने दायित्वों को निभाने का निरंतर प्रयास किया है।

आप सभी की आंकाक्षाओं को पूरा करने मैं दुगुनी मेहनत करूंगी- विधायक भावना ने कहा कि विगत वर्षों में बहुत सी चुनौतियां आईं। बहुत कुछ सीखने व अनुभव हुआ। उन सभी अनुभवों एवं सीख से आने वाले समय में और भी बेहतर प्रयास एवं आप सभी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए मैं दुगुनी मेहनत से कार्य करूंगी। मैं आभारी हूँ कि मेरे हर कदम पर और प्रयासों में आप सभी का साथ, विश्वास और समर्थन मुझे मिला जिसने मेरा हौसला बढ़ाया। ऐसे ही आप सभी का समर्थन, सहयोग और मार्गदर्शन मुझे हमेशा मिलता रहे।

संक्षिप्त-खबर

अहिवारा। यह विद्युत पोल नंदनी खुंदनी से हरदी जाने वाले मुख्यमार्ग पर है जोकि विगत 8 दिनों से बिजली तार के भरोसे लटका हुआ है,सरपंच श्रीमती खुशबू घनश्याम यादव के द्वारा मौखिक रूप से एवं वाट्सएप के माध्यम से बिजली खंभा का फोटो भेजकर शिकायत किया गया है ,जिसका निराकरण आज दिन तक नहीं हो पाया है ,ये विद्युत विभाग के जिम्मेदार अधिकारी संदीप वर्मा जी जो अभियंता अहिवारा है ,उनके निष्क्रिय व्यवहार एवं कार्य के कारण ग्रामीणों को कभी भी गंभीर दुर्घटना घट सकती है जिनका जिम्मेदार सिर्फऔर सिर्फउप अभियंता अहिवारा का होगा,बता दे कि उस वार्ड से लगे लोगों के घर का लाइन 8 दिनों से हाफचल रहा है

पवन शर्मा बने तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के सातवें प्रदेश स्तरीय सम्मेलन का आयोजन रविवार 24 जुलाई को बिलासपुर स्थित लालबहादुर शास्त्री स्कूल के दीक्षित सभा भवन में किया गया। सम्मेलन में संघ के प्रदेश अध्यक्ष का पद रिक्त होने पर आदिवासी विकास विभाग बिलासपुर में पदस्थ लेखापाल पवन शर्मा को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

कर्मचारी नेता आनंदकुमार श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री शर्मा को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर प्रदेशभर के कर्मचारी वर्ग में हर्ष का माहौल है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन और मजबूत होगा।

कर्मचारी साथियों ने भी श्री शर्मा को बधाई देते हुए शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में संघ कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान की दिशा में और अधिक प्रभावी कार्य करेगा।

आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद दीक्षित अस्पताल ने

वसूले पैसेए जोगी कांग्रेस का हंगामा

राजनांदगांव। आयुष्मान भारत योजना का कार्ड होने के बावजूद मरीज से रुपए वसूले जाने के मामले को लेकर रविवार को अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसूल आलम ने अपने साथियों के साथ सीएमएचओ ऑफिस पहुंचकर जमकर नारेबाजी की और ज्ञापन सौंपा। इस दौरान लेबर डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष शिवशंकर गौर भी मौजूद रहे।

शमसूल आलम ने बताया कि शनिवार देर रात उन्हें मरीज के परिजनों ने फोन कर शिकायत दी थी। सूचना मिलते ही वे और शिवशंकर गौर दीक्षित अस्पताल पहुंचे, जहां मरीज की मौत हो चुकी थी। आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने इलाज के नाम पर परिजनों से 12,400 रुपए वसूल लिए, जबकि अस्पताल आयुष्मान भारत योजना से मान्यता प्राप्त है। विरोध के बाद प्रबंधन ने राशि लौटा दी।

नेताओं का कहना है कि मरीज की फाइल में गड़बड़ी मिली है और अस्पताल नियमों को दरकिनार कर मनमानी कर रहा है। गौर ने सवाल उठाया कि जब खतरा पहले ही था तो मरीज को रेफर क्यों नहीं किया गया। उन्होंने इसे सीधी लापरवाही और लूट बताया।

सीएमएचओ से संपर्क की कोशिश में भी नेताओं को निराशा हाथ लगी। आरोप है कि अधिकारियों ने फोन नहीं उठाया और छुट्टी का हवाला देकर बात टाल दी। इस पर जोगी कांग्रेस और लेबर पार्टी ने संयुक्त रूप से तीन दिन के भीतर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि समय पर कार्रवाई नहीं हुई तो सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन होगा।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष नमन पटेल, शहर अध्यक्ष बिलाल सोलिन खान, महासचिव ऋषभ रामटेक, पंकज सिन्हा, मरीज के पिता व भाई सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आदिवासी युवा प्रभाग के कार्यकर्ता सांसद रूपकुमारी चौधरी से मिलकर किये सामाजिक विकास पर चर्चा

बसना (समय दर्शन)। बसना फुलझर अंचल मे आदिवासी युवा प्रभाग के कार्यकर्ताओं ने महासमुन्द सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी से सौजन्य मुलाकात कर सामाजिक विकास पर चर्चा परिचर्चा किया गया ।

बसना विधानसभा से विधायक रह चुकीं रूपकुमारी चौधरी ने क्षेत्र के विकास और जनता की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इन्हीं कार्यों को देखते हुए भाजपा ने उन्हें सांसद प्रत्याशी बनाया, और उन्होंने भारी प्रचण्ड मतों से विजय हासिल

कर महासमुंद क्षेत्र का नाम रौशन किया।

जनता के प्रति उनका स्नेह, सम्मान और कार्यशीलता ही है, जिसने उन्हें जन-जन की चहेती बना दिया है।

जब वे भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष बनीं, तो पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। महासमुन्द जिला के प्रत्येक समाज के आम लोगों के साथ सभी वर्ग के जनप्रतिनिधियों ने बडी संख्या में उनके प्रथम नगर आगमन पर बसना के शहीद वीर नारायण सिंह मुख्य चौक से मण्डी होते हुए उनके निवास तक बधाई देने के लिए लोगों का तांता लगा रहा ।

इस विशेष अवसर पर आदिवासी युवा प्रभाग के साथ समाज के प्रमुख जनों ने उनसे मुलाकात कर हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी।

जिसमें युवा प्रभाग संयोजक जिला महासमुन्द मनोज सिदार,प्रकाश पारेश्वर, राजेंद्र सिदार,जिलाध्यक्ष छ. ग. गोंडवाना संघ दीपक जगत, मनीराम जगत, देव ठाकुर टिकेश्वर मरकाम,कन्हैयालाल जगत, पूनम सिदार,अन्नू सिदार, सहित आदिवासी समाज के लोग शामिल हुए द्य

डॉ. हेमशंकर जेठमल साहू को जयपुर में मिला एक्सक्लूसिव स्टारडम अवार्ड, छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया

राजनांदगांव। राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित एक्सक्लूसिव स्टारडम अवार्ड्स 2025 में छत्तीसगढ़ ने अपनी अलग पहचान बनाई। समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राजनांदगांव जिले के छोटे से गांव नावागांव के डॉ. हेमशंकर जेठमल साहू को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में एक्सक्लूसिव वर्ल्ड रिकार्ड्स और लता फाऊंडेशन के सहयोग से संपन्न हुआ।

डॉ. साहू को सोशल सर्विस केटेगरी में अवार्ड प्रदान किया गया। विशेष बात यह रही कि छत्तीसगढ़ से इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए वे अकेले चयनित प्रतिभागी रहे। मंच पर सम्मानित होते समय उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम की सेलिब्रिटी गेस्ट व टीवी अभिनेत्री नवीना बोले ने कहा-डॉ. हेमशंकर जेठमल साहू ने साबित किया है कि कोई भी व्यक्ति अपनी लगन और सेवा भावना से समाज की भलाई के जरिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान बना सकता है। वे छत्तीसगढ़ के गौरव हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत भी।

गरीब किसान परिवार से निकलकर राष्ट्रीय मंच तक पहुंचे डॉ. साहू की यात्रा अत्यंत प्रेरणादायी रही है। सीमित संसाधनों के बीच शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने समाजहित के कार्यों में खुद को समर्पित कर दिया। आज वे ऑल वोलंटरी एसोसिएशन फाऊंडेशन के चेयरमैन हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास, किसानों की समस्याओं और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं।

उनकी पहल पर कई गांवों में शिक्षा जागरूकता अभियान चले, किसानों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुए और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए योजनाएं बनीं। युवाओं को शिक्षा और करियर के प्रति जागरूक करना भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

इस भव्य आयोजन में भारत और नेपाल से आए कुल 19 प्रतिभागियों को समाजसेवा, साहित्य, आध्यात्म, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और मानसिक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इनमें जयपुर के डॉ. राम सिंह राजोरिया, मुंबई के डॉ. महेश गौर, दिल्ली की सेहर हाशमी और नेपाल के डॉ. प्रकाश भुजेल जैसे नाम शामिल रहे।

डॉ. साहू की इस उपलब्धि ने न केवल उनके गांव नावागांव और राजनांदगांव जिले का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाई दी है। सच्चे समाजसेवक के रूप में उनकी पहचान आज प्रदेशवासियों के लिए गर्व का विषय है।

विश्व हिन्दू परिषद बसना द्वारा आयोजित भव्य दही हाण्डी फोड़ प्रतियोगिता

बसना (समय दर्शन)। बसना प्रखंड मे विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल, मातृ शक्ति, दुर्गा वाहिनी के द्वारा 61 वें स्थापना दिवस एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में भव्य और दिव्य दहीहंडी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें गढ़पटनी, चट्टीगिरोला, देवसराल और छान्दनपुर के दलों ने प्रतियोगिता मे भाग लिया, प्रथम ईनाम गढ़पटनी द्वितीय और तृतीय ईनाम देवसराल के दलों ने प्रतियोगिता जीता। इस भव्य प्रतियोगिता में महासमुंद जिला के समस्त प्रखंडों से कार्यकर्ता शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाया, इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सरायपाली के कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा ,इस कार्यक्रम में महासमुंद, झलप, पिथौरा, बसना एवं सरायपाली के कार्यकर्ता शामिल हुए, कार्यक्रम दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ, दीप प्रज्वलन के पश्चात अतिथि परिचय, स्वागतके पश्चात बौद्धिक का कार्यक्रम उसके पश्चात बच्चों का आंख में पट्टी बांधकर मटका फोड़ कार्यक्रम के पश्चात भव्य दहिहंडी फोड का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ, कार्यक्रम को सफल बनाने में पुलिस प्रशासन, नगर पंचायत ,स्वास्थ्य विभाग, एवं बसना में निवासरत समस्त व्यापारियों का सहयोग रहा।

मंत्री गजेंद्र यादव, सांसद रूपकुमारी चौधरी एवं विधायक डॉ संपत अग्रवाल हुए शामिल

- विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के नेतृत्व मे शिक्षा मंत्री का भव्य अभिनंदन
- बसना में यादव समाज द्वारा आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में उमड़ा जनसैलाब

बसना (समय दर्शन)। बसना-सरायपाली क्षेत्र में फुलझर राज झरिया यादव समाज द्वारा आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन भक्तिमय और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस समारोह में प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, सांसद रूपकुमारी चौधरी और बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

नव-नियुक्त कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव का बसना में प्रथम आगमन पर विधायक कार्यालय में जोरदार स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा और आतिशबाजी के साथ उनका अभिनंदन किया। विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल ने मंत्री यादव को शॉल, श्रीफल और छत्तीसगढ़ का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित

किया। इस अवसर पर लेखक प्रेमचंद साव द्वारा लिखित पुस्तक प्रेम पाती का विमोचन भी हुआ। कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद व प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रुप कुमारी चौधरी एवं विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल ने गौमाता को चना, गुड़ व फल खिला कर आशीर्वाद प्राप्त किये।

विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि मंत्री गजेंद्र यादव के नेतृत्व में शिक्षा विभाग नई ऊंचाइयों को छुएगा। उन्होंने मंत्री यादव के सरल अधिकारी स्वभाव, दूरदर्शी सोच और शिक्षा के प्रति समर्पण की सराहना की और कहा कि उनका अनुभव प्रदेश के शैक्षणिक परिदृश्य को सशक्त बनाएगा।

झेरिया यादव समाज द्वारा आयोजित कृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम में शिरकत करते हुए मंत्री गजेंद्र यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि बसना में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में आना उनके लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री का कार्यभार ग्रहण करने के बाद यह उनका पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है और भगवान श्रीकृष्ण के कुल वंशज समाज के बीच उपस्थित होना उनके लिए विशेष अवसर है। महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है कि जन्माष्टमी के अवसर पर यादव समाज के गौरव, प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव हमारे बीच मौजूद हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मंत्री यादव के नेतृत्व में प्रदेश का शिक्षा विभाग नई ऊँचाइयाँ छुएगा। विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव को कार्यभार ग्रहण करने के बाद प्रथम बार बसना आगमन पर शुभकामनाएं दीं और कहा कि मंत्री जी की मेहनत और लगन से शिक्षा विभाग नई ऊँचाइयों पर पहुँचेगा तथा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में नया अध्याय जोड़ेगा।

विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म, नीति और कर्म की गहरी प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श आज भी हमारे जीवन को दिशा देने वाले हैं। उन्होंने यादव समाज की ऐतिहासिक भूमिका और भगवान श्रीकृष्ण के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि यादव वंश ने भारतीय संस्कृति को समृद्ध किया है। श्रीकृष्ण की लीलाएं केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक चेतना का भी प्रतीक हैं। महोत्सव के दौरान भजन संध्या, रासलीला और श्रीकृष्ण की झांकी ने सभी उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। स्थानीय कलाकारों और बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से माहौल को और भी जीवंत बना दिया। यह आयोजन भक्ति और सांस्कृतिक विरासत का एक अनुपम संगम रहा।

कस्तूरबा आवासीय विद्यालय बसना के बच्चे सीख रहे मिट्टी की खिलौने बनाने की कला

बसना (समय दर्शन)। शासकीय कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय बँसुला मे विद्यालय की छात्राओं द्वारा पोला त्यौहार के अवसर पर सीख रहे मिट्टी के खिलोने बनाने की कला ।

बंसूला बसना स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की अधीक्षिका श्रीमती गीतांजलि नाग की कुशल मार्गदर्शन में यहाँ के बच्चो को समय समय पर रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से योग ,प्राणायाम, कराटे,विभिन्न प्रकार के खेलकूद के साथ ही त्यौहार तथा छुट्टी के दिनों में कबाड़ से जुगाड़ के तहत बागवानी , सौंदर्यीकरण, तथा मिट्टी के खिलौने तथा मूर्ति बनाने की कौशल हेतु प्रेरित किया जा रहा है।

अधीक्षिका श्रीमती नाग ने बताया कि, बेगलेस डे एवं छुट्टी के दिनों में बच्चों की अभिव्यक्ति कौशल को निखारने प्रेरित किया जाता है। ताकि ये बच्चे अपने पसंदीदा विषय व कार्य कौशल को चुनकर उस दिशा मे आगे बढ़ें व अपना भविष्य उज्जवल कर सकें ।

शिक्षा संग सुविधाओं को आयाम, 50 हजार बच्चों के लिए सुलभ की पढ़ाई

सिवनी। (समय दर्शन) जमीन पर घटों बैठकर पढ़ाई करना, झुककर लिखना और बार-बार सिर उठाकर ब्लैक बोर्ड की ओर देखना यह सब होता था सरकारी स्कूलों में। टाटपट्टी पर बैठे बच्चों ने सोचा भी न था कि वे कभी डेस्क बेंच पर बैठेंगे। मप्र के सिवनी में कलेक्टर संस्कृति जैन ने बच्चों की इस परेशानी की समझा और फिर अ डेस्क अभियान शुरू किया। इसका असर यह हुआ कि जनसहयोग से 25 अगस्त तक 674 स्कूलों में 8601 डेस्क-बेंच पहुंचाई जा चुकी हैं। 17 हजार विद्यार्थियों को लाभ मिलने लगा है।

कलेक्टर संस्कृति जैन ने सुगम कक्षा से सरल शिक्षा का मंत्र देकर अप्रैल माह से यह पहल शुरू की। प्राथमिक सरकारी स्कूलों में दर्ज बच्चों की संख्या की जानकारी जुटाई गई। 20 या उससे अधिक विद्यार्थियों स्कूलों को अभियान में शामिल किया गया। विभागीय कार्यों के बाद अतिरिक्त समय देकर शासकीय अमले का सहयोगी बनने के लिए प्रेरित किया गया। स्कूलों में भी शिक्षक व स्थानीय लोगों ने डेस्क-बेंच उपलब्ध कराने शुरू कर दिए। इस तरह बगैर किसी सरकारी आर्थिक सहायता के यह अभियान अब जनसहयोग से चल पड़ा है।

लिखावट में हो रहा सुधार: सिवनी में संचालित शासकीय महात्मा गांधी हाई स्कूल की प्राचार्य रश्मि गौर ने बताया कि स्कूल में 96 बच्चे अध्ययनरत हैं। अभियान के तहत 36 डेस्क-बेंच मिलने से बच्चों का फर्श में बैठने से होने वाली कठिनाई दूर हो गई है।

जबकि कुछ वर्ष पहले आधे बच्चों को जमीन पर बैठ के पढना पड़ता था। पुलिस लाईन प्रधान पाठक अल्पा शर्मा ने बताया कि डेस्क-बेंच पर बैठने से बच्चों के लिखावट में सुधार हुआ है तो ब्लैक बोर्ड पर लिखि बातों का देखने व पढने में बेहद आसानी होती है।

यह है लक्ष्य: जिले के दो हजार शरकारी स्कूलों में कक्ष एक से पांचवी तक लगभग 58 हजार विद्यार्थी पंजीकृत हैं। 1367 स्कूलों में 20 हजार से अधिक डेस्क-बेंच की व्यवस्था का लक्ष्य है। अब तक 45 प्रतिशत स्कूलों में इसे पहुंचाया जा चुका है। सितंबर तक डेस्क-बेंच की उपलब्धता 10 हजार से अधिक पहुंचाने का लक्ष्य है।

[मप्र के सिवनी में सुगम कक्षा से सरल शिक्षा का मंत्र बदल रहा स्कूलों की तस्वीर] (अभियान की सफलता को बढ़ाई भागीदारी) स्थानीय लोगों की जनभागीदारी को बढ़ाने के लिए एक विशेष वेबसाइट बनाई गई। इस वेबसाइट से दानदाता चयनित स्कूलों को विद्यार्थीयों की उम्र, उंचाई के अनुरूप दो अलग-अलग साइज में डेस्क-बेंच उपलब्ध करा रहे हैं। वह फर्नीचर विक्रेताओं का आर्डर देने के साथ भुगतान भी स्वंय कर रहें हैं। सारे तकनीकी काम को रकने के लिए बाकायदा काल सेंटर बनाया गया है। सभी का सहयोग मिल रहा है। फर्नीचर निर्माता भी सिर्फ लागत मूल्य 2200 रूपये मे ही एक डेस्क-बेंच उपलब्ध करा रहे हैं।

(विदेश से भी लोग मदद के लिए आ रहे आगे)- अभियान से विभिन्न संगठनों के अलावा समाजसेवी, व्यवसायी जुड़े है। डेस्क गिफ्ट देने वालों में हास्य कलाकार अहसान कुरैशी शामिल है। इटली, अमेरिका, जार्जिया, फिनलैंड व जर्मनी सहित कई देशों से लोग मदद पहुंचा रहे हैं। डेस्क गिफ्ट देने वाले का नाम भी लिखा जाता है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2021-23